हर इंसान, समाज से अपने परिवार और खानदान द्वारा जुड़ा रहता है। इसीलिए उसका भूतकाल यानी अतीत भी दो प्रकार का होता है। एक तो उसका अपना व्यक्तिगत अतीत और दूसरा उसके खानदान का अतीत। अपने अतीत के बारे में तो हर शख्स जानता है, परन्तु अपने खानदान के अतीत के बारे में वह काफी कुछ नहीं जानता। और कभी-कभी उसका खानदानी अतीत, उसके व्यक्तिगत अतीत पर हावी हो जाता है, और उस व्यक्ति को भुगतना पड़ता है उसके अपने खानदान की गलतियों का नतीजा-

संचार- क्रान्ति के इस युग में, यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गई-

लूका, बुल्स आई और बी-यर्ड तक भी खबर पहुंचते देर नहीं लगी-

सुपर कमांडो ध्रुव एक सनसनीखेज हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार हो गया है। उसके शिकार मिस्टर जैकब की हालत गंभीर मगर स्थिर है।...

... वह सिटी अस्पताल में जिन्दगी और मौत से जूझ रहा है।

चलो! कोई अच्छी खबर सुनने को तो मिली। सुपर कमांडो ध्रुव अपने- आप जेल पहुंच गया!

लेकिन हमारा मकसद तो अधूरा रह गया, बुल्स आई! जब तक ये हादसे वाली मौत मरेगा नहीं, तब तक हम जायदाद बेच नहीं पाएंगे ...

अब इसको मारना और भी मुश्किल हो गया है लूका! क्योंकि अब यह पुलिस हिरासत में है।

एक ही रास्ता है। अगर जैकब मर जाए तो ध्रुव फांसी पर लटक जाएगा, और हमारा रास्ता साफ हो जाएगा।

लेकिन हम तो यहां से जा रहे हैं! अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में खड़ा जहाज हमारा इन्तजार कर रहा होगा। वैसे भी हमारा सिटी हॉस्पिटल जाकर जैकब को मारना अब खतरे से खाली नहीं है।
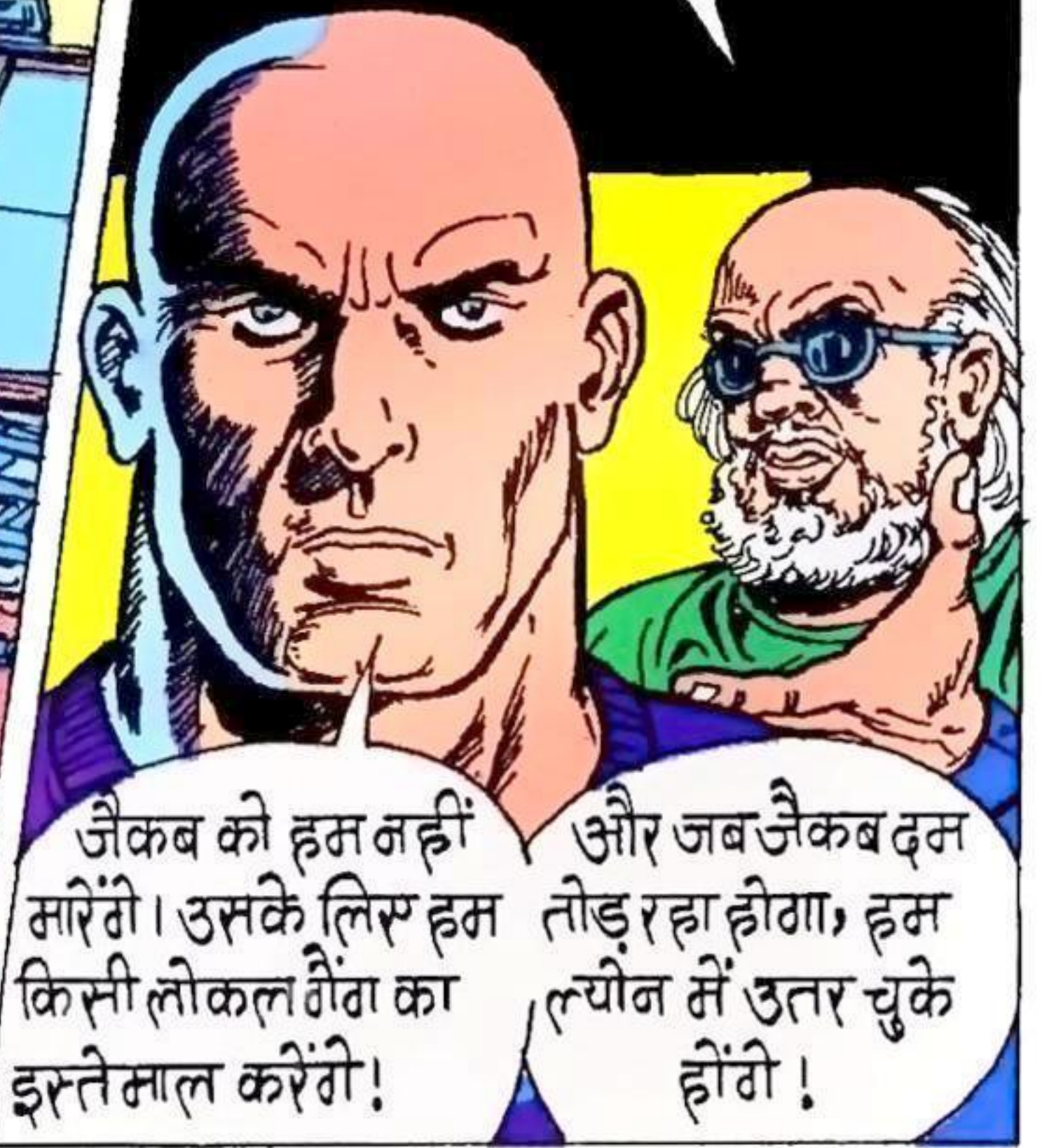
जैकब को हम नहीं मारेंगे। उसके लिए हम किसी लोकल गैंग का इस्तेमाल करेंगे!

और जब जैकब दम तोड़ रहा होगा, हम प्लेन में उतर चुके होंगे!

और ध्रुव, जैकब या अपने- आपको बचाने के लिए कुछ नहीं कर पाएगा। क्योंकि वह सलाखों के पीछे अपनी जमानत होने का इन्तजार कर रहा होगा... जो कभी नहीं होगी!
षड्यंत्र का जाल बुना जा चुका था-
अब सिर्फ आखिरी टांका मारने की जरूरत थी-
न जाने जैकब पर कब तक पहरा देना पड़ेगा? ऐसन-ऐसन मरीज आवत हैं कि दिमाग खराब हुई जाए।
बीड़ी भी नहीं पी सकते यहां पर...
... और लो! एक और स्ट्रेचर पर लदकर आए रहा है...
... बंदूकें पीछे कर लयो...
... कहीं कोई टकरा गया तो बंदूक दगी जाएगी।
लेकिन बंदूक दगने की नौबत नहीं आई-
धा
... गुंडों की चाल का शिकार हो चुके थे-
क्योंकि असावधान पुलिस वाले...
तड़ाक
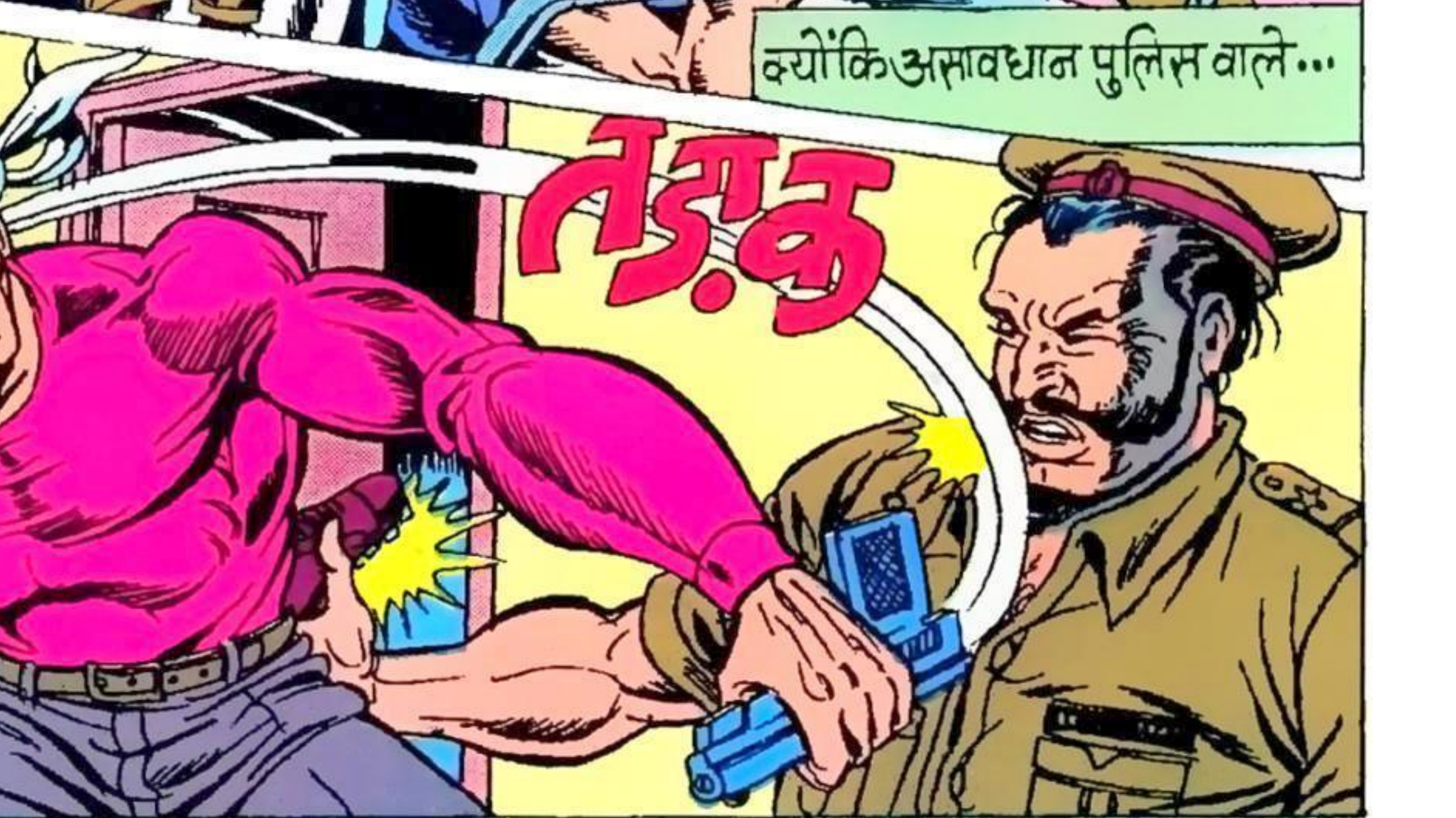
बिना एक भी शब्द बोले तीनों जैकब के कमरे में प्रवेश कर गए–
चांद की रोशनी में जैकब का पीला पड़ चुका चेहरा चमक रहा था–
हथियारों की जरूरत नहीं है।
इसके बदन पर लगी ट्यूबें नोच लो। यह ऐसे ही मर जाएगा!

ट्यूबें नोच ली गईं–

और जैकब का पीला चेहरा, पत्थर सा सख्त पड़ गया–

सांस नहीं आ रही है। मर गया बुड्ढा!

अब निकल लो! काम हो गया...
... अरे! लाइट किसने जलाई?
कट
मैंने!
स... सुपर कमांडो ध्रुव?
मगर तुम तो जेल में?...

वह खबर सिर्फ इसलिए फैलाई गई थी, ताकि तुम लोग रास्ता साफ समझकर जैकब पर हमला करने की मूर्खता करो! ...

... वैसे मैं तो यहां किसी और का इन्त-जार कर रहा था ... तुम जैसे मामूली गुंडों का नहीं!

मामूली गुंडे? हाहाहा! तेरे सामने ही हमने जैकब को मार दिया और तू कुछ नहीं कर पाया!

जैकब को मारने की मेहनत तो तुमने बेकार ही की! ...

... क्योंकि उनका गला तो पहले से ही कटा हुआ था।

य... यह क्या?
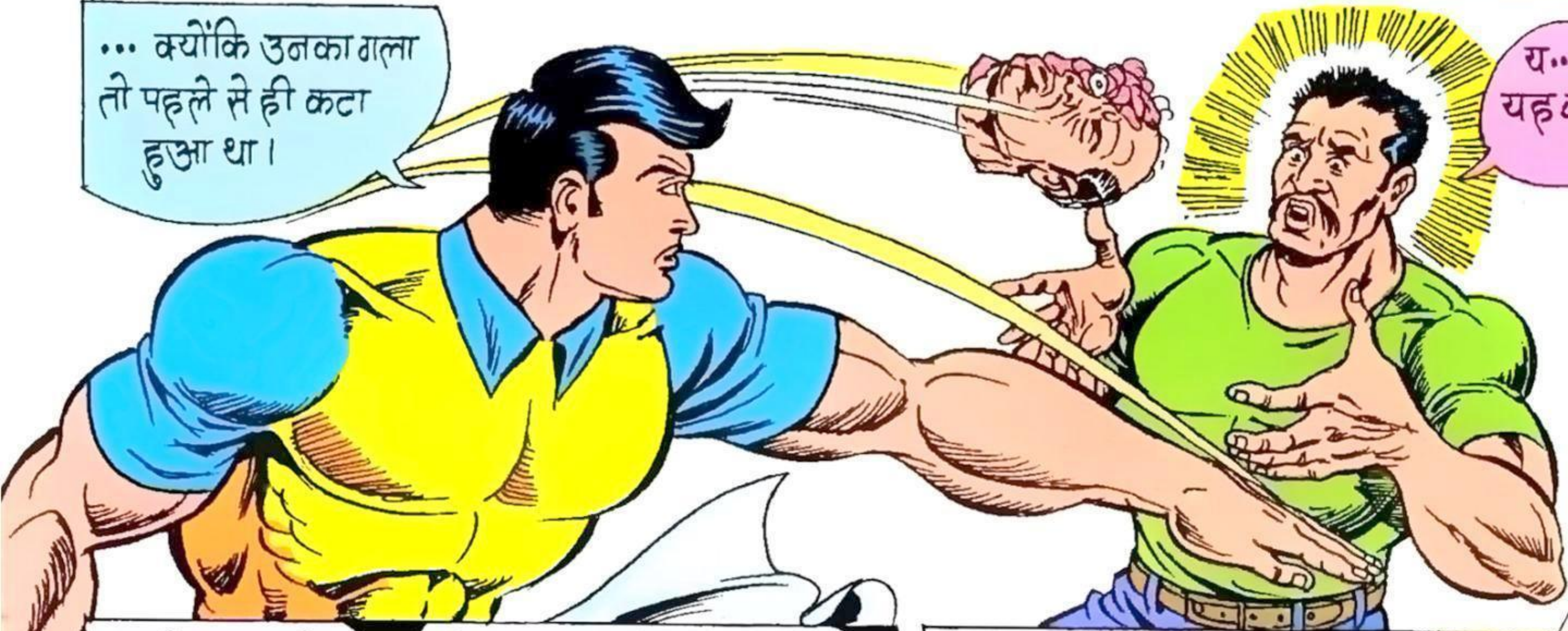
यह तो... यह तो मोम का बना हुआ सिर है।

मोम का? यानी यह हमको फंसाने की चाल थी। हमारा पहले से ही इन्तजार किया जा रहा था, बादशाह!

हां, मूर्खो! अंकल जैकब तो दूसरे कमरे में सुरक्षित हैं। इस कमरे के बाहर सिक्योरिटी इसीलिए बैठाई गई थी ताकि तुम लोग इसी कमरे को अपनी मंजिल समझकर अपने-आप जाल में चले आओ!

अब तुम लोग मुझे बताओगी कि तुम लोगों को यहां पर भेजने वाला कौन था, और इस वक्त वह कहां पर है?
वो चाहे जहां हो, ध्रुव... लेकिन अगले पल तू जरूर...
धड़ांक
...नर्क में होगा... आऽऽऽह!
तड़.
नर्क में तो तुम लोग पहुंचोगे। जेल की अंधेरी कालकोठरी के नर्क में।
बता! वर्ना वहां पहुंचने लायक भी नहीं छोड़ूंगा...
...यहीं अस्पताल में परमानेन्ट भर्ती करा दूंगा।
आईईई
कहां फंसा दिया बादशाह? ध्रुव से पिटकर मुझे हड्डियां नहीं तुड़वानी... हमको एक लम्बे- चौड़े गंजे ने इस जैकब को मारने के लिए पचास हजार रुपए दिए थे। वह... वह विदेशी लहजे में बात कर रहा था!
विदेशी लहजे में? वह जरूर लूका होगा।...
...उसके साथ कोई और भी था क्या?

हां! दो लोग और थे। एक सिर पर टोप पहने था, और आंखों पर अजीब-अजीब चीजें लगाए था, और दूसरा मोटा सा था। कंधे पर एक छोटा सा लबादा पहने हुए।
मैं समझ गया वे लोग कौन थे! कहां पर मिले थे ये लोग तुमसे?
बन्दरगाह में एक प्राइवेट शिप पर। वे लोग कहीं बाहर जा रहे थे!
ओह! यानी चिड़िया उड़ गई!
ध्रुव साहब! अब गिरफ्तार कर लेईं इन तीनों का?
हां! मेरा काम तो हो गया!
तु... तुम लोग भी बेहोश नहीं हुए थे?
नाहीं, भईया! हम सोचा कि ध्रुव भईया का नाटक में हमहू छोटा-मोटा रोल कर लें। ठीक है न? अब चलो!
तुमका बड़े घर घुमाय लाएं।
तीनों गुंडों के जाने के बाद-
तुम्हारा प्लान कामयाब रहा, ध्रुव!...
...तीनों हत्यारे अपने-आप जाल में फंस गए!
लेकिन ये तीन वे नहीं हैं पापा, जिनकी मुझे तलाश थी। वे तो शायद भारत छोड़कर जा चुके हैं!...

लेकिन तुम्हारा काम तो पूरा हो गया ध्रुव ! इस हमले से यह साबित हो गया है कि जैकब की जान लेने की कोशिश करने वाले कोई और लोग हैं। तुम नहीं !
और इसकी गवाही हम सब पुलिस वाले भी देंगे !
इससे तो मैं बरी हो जाऊंगा पापा ! वैसे भी जैकब होश में आने पर मेरे हक में ही बयान देते !
लेकिन अब शायद मैं लूका से यह कभी नहीं जान पाऊंगा कि मेरे पिता श्याम को नाम बदलने पर मजबूर क्यों होना पड़ा। और उन्होंने आखिर किया क्या था ?
तुम्हारे बताए अनुसार यह बात तो शायद जैकब को भी नहीं मालूम है ! इसीलिए उसके होश में आने का इन्तजार करने की जरूरत नहीं है।...
... वैसे भी तुम पहले ही कह चुके हो कि तुम्हारे सवालों का जवाब फ्रांस में मौजूद है। और जब तक तुम अपने अतीत को जान नहीं लेते, तब तक तुम चैन से नहीं बैठ पाओगे।...
... इसलिए तुम तुरन्त फ्रांस के लिए रवाना हो जाओ। मैं आधिकारिक रूप से तो नहीं पर व्यक्तिगत रूप से तुम्हारी काफी मदद कर सकता हूं।...
... मेरे कुछ मित्र वहां पर पुलिस अधिकारी हैं। वे तुम्हारी सहायता करेंगे।...
... तुम कल ही अपना वीसा बनवाकर फ्रांस रवाना हो जाओ !
थैंक्यू, पापा ! थैंक्यू ! पर जाने के पहले मैं आपको बताना चाहता हूं कि चाहे मैं अपना अतीत ढूंढ पाऊं या नहीं, मेरे लिए मेरे पिता की जगह पर हमेशा आप ही रहेंगे !
मैं जानता हूं बेटे, मैं जानता हूं।
इधर ध्रुव के जाने की तैयारी हो रही थी...
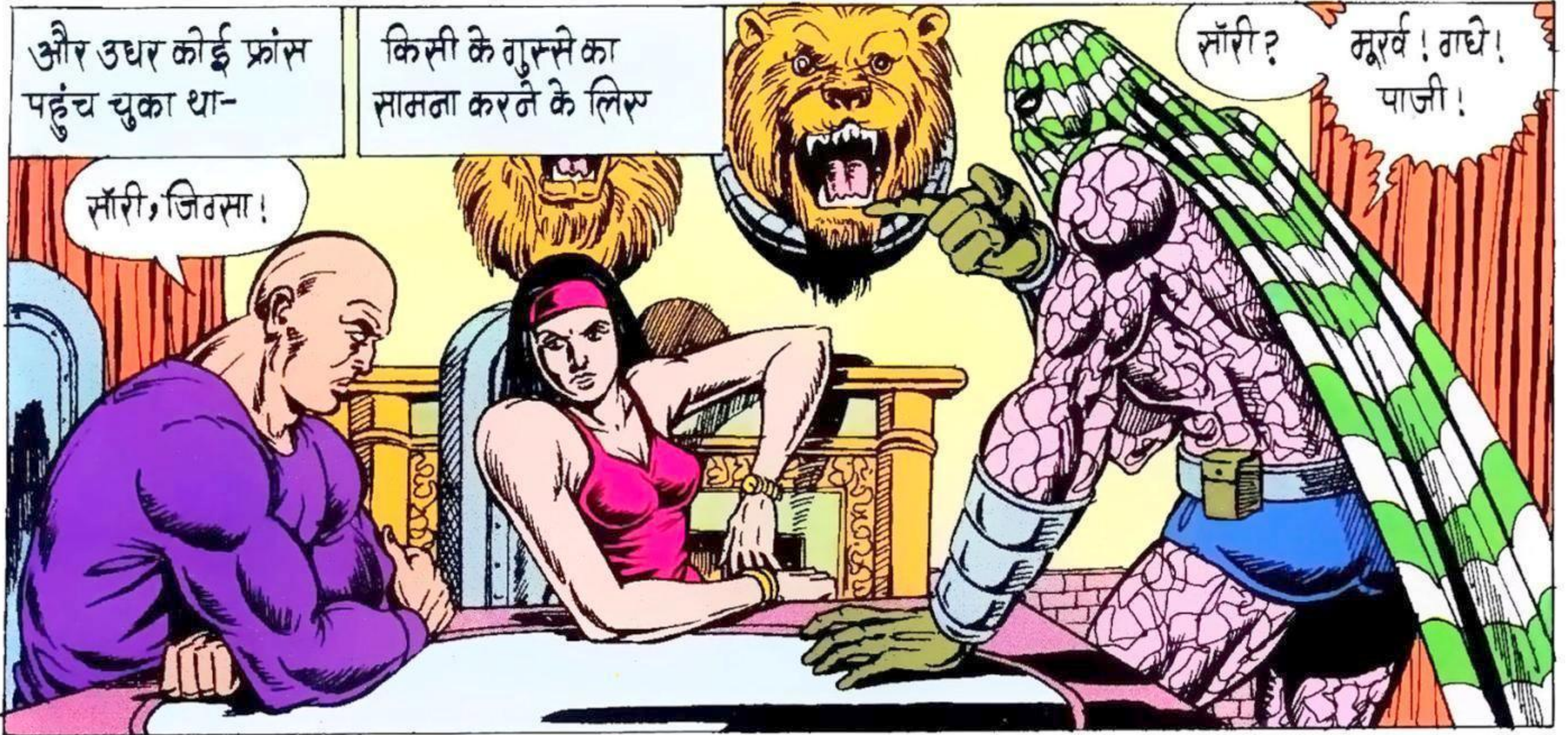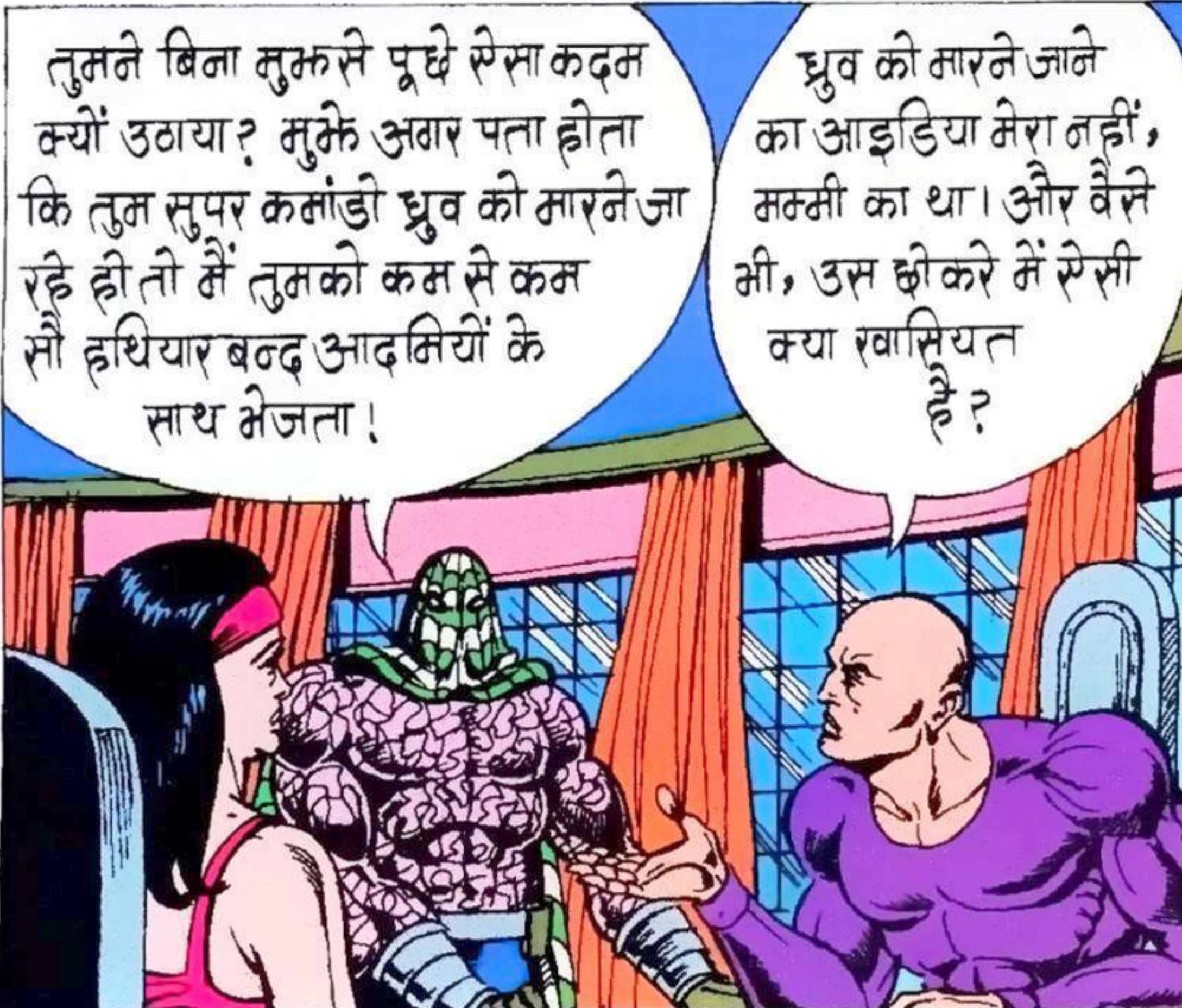
ग्रैंडमास्टर रोबो को तो जानते हो न? कुछ साल पहले तक वह हमारा सबसे बड़ा ग्राहक हुआ करता था। करोड़ों का मुनाफा कमाते थे उससे। लेकिन ध्रुव ने रोबो के साम्राज्य को ऐसा तहस-नहस किया कि कुछ दिनों तक उसके पास एक बंदूक खरीदने तक के पैसे नहीं थे!

और तुम उसी ध्रुव को मारने चले गए, जिसे रोबो जैसा आतंकवादी भी एक घाव तक नहीं लगा सका।...

...तुमने बर्रे के छत्ते को छेड़ दिया है लूका। अब वह तुमको ढूंढता हुआ यहां तक जरूर आएगा...

...और देर-सबेर हमको ढूंढ़ ही निकालेगा। और इस वक्त हम ध्रुव को यहां पर किसी भी कीमत पर नहीं चाहते। क्योंकि हम अपनी जिन्दगी का सबसे बड़ा कारनामा करने जा रहे हैं।
कैसा कारनामा जिगसा? मेरे पीछे से आपने कौन सा प्लान बनाया है?
फ्रांस सरकार की 'नेशनल डिफेंस रिसर्च लेबोरेट्री' में एक नया आविष्कार विकास के अन्तिम चरण में है!
हमें उसको वहां से उड़ाकर उसे अपनी लेबोरेट्री में डेवलप करना है। और अगर यह ऑपरेशन सफल हो गया, तो हमको शायद इतने पैसे मिल जाएंगे कि इस एस्टेट को बेचने की जरूरत भी न पड़े।
इसीलिए मैं इस ऑपरेशन के दौरान किसी भी किस्म की गड़बड़ी नहीं चाहता।
ध्रुव नाम की गड़बड़ तो बिल्कुल भी नहीं।
उसकी चिन्ता छोड़ दो जिगसा...
...वह तो इस वक्त जेल में सड़ रहा है। और जल्दी ही वह फांसी पर भी लटक जाएगा।
तुम जैकब की तरफ इशारा कर रहे हो न लूका? मेरे पास सारी रिपोर्ट आ चुकी है। जैकब नहीं मरा है। ध्रुव भी आजाद घूम रहा है। और उसने वीसा के लिए भारत के फ्रेंच दूतावास में एप्लाई भी कर दिया है।
यानी... यानी वह फ्रांस आ रहा है।...
...तब तो मैं उसकी चिता यहीं पर जलाऊंगा!
अपनों के खून से हाथ नहीं रंगते लूका! वैसे भी हम लोग आने वाले दिनों में काफी व्यस्त रहने वाले हैं!
ध्रुव को खत्म करने का काम सात्रे को सौंपते हैं। उसके आदमी ये काम करेंगे!
कड़.
ड़.ड़.ड़.ड़.
उसको सिर्फ इतना बता देना कि अगर ध्रुव फ्रांस तक जिन्दा पहुंच गया तो सात्रे अपने घर मरा पहुंचेगा!

ध्रुव के अतीत के विषैले सर्पों ने फन फैलाना शुरू कर दिया था। और किसी को यह आभास नहीं था कि ये सर्प ध्रुव को कब और कैसे डसेंगे-
इस फ्लाइट पर आप सबका स्वागत है। पेरिस तक की यह दूरी हम नौ घंटे दस मिनट में तय करेंगे!
आप क्या लेंगे ध्रुव सर? वाइन या व्हिस्की?
सिर्फ एक पेप्सी, प्लीज!
THE TIMES
INDIA LAUNCHES SATELLITE
पेप्सी की चुस्कियों के साथ ध्रुव के दिमाग में वह सारा घटनाक्रम ताजा होने लगा, जिसके कारण उसे पेरिस का सफर करना पड़ रहा था-
यह सारी गड़बड़ उस फोन कॉल से शुरू हुई थी, जो ध्रुव के पास एक विदेशी लहजे में बात करने वाले अंजान आदमी ने की थी-
क्या बकवास कर रहे हैं आप? मेरे पिता का नाम श्याम नहीं रघुवंशी था, और वे फ्रांस की पुलिस से भागे हुए एक मुजरिम थे?...
... ठीक है। मैं आर्टीफीशियल वॉटर-फॉल पर पहुंचता हूं!
आर्टीफीशियल वॉटर फॉल पर ध्रुव की मुलाकात एक नकाब-पोश और बुल्स आई नाम के हत्यारे से हुई-

'बुल्स आई' को ध्रुव ने दिमाग और अपने 'कट आउट' की मदद से परास्त कर दिया-

और इससे पहले कि वह रहस्यमय नकाबपोश भी इस लड़ाई में 'बुल्स आई' की मदद कर पाता...
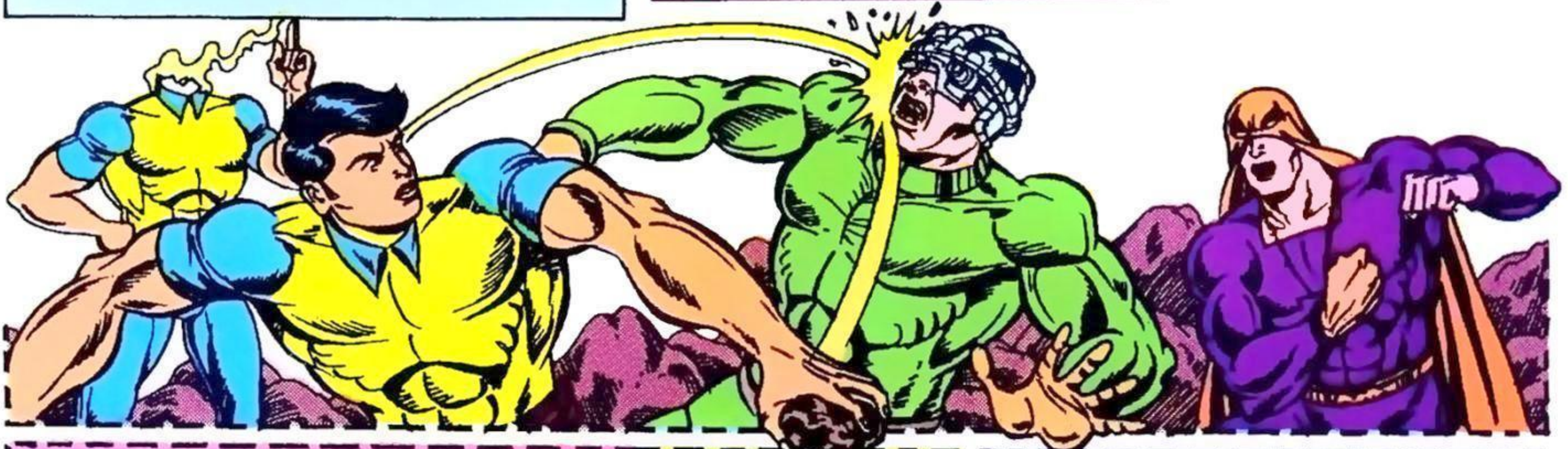
इसी दौरान ध्रुव ने एक रहस्यमय कोट-हैट धारी को जल प्रपात के ऊपर खड़े देखा। वह उसे ढूंढने के लिए ऊपर लपका-

लेकिन वह शख्स वहां से गायब हो चुका था-

'बुल्स आई' और नकाबपोश से लड़ाई के दौरान, ध्रुव को उन दोनों के ही विदेशी होने का पता लग गया था। इसीलिए उसे अपने पिता श्याम उर्फ रघुवंशी के फ्रांस का फरार अपराधी होने की बातों में सच्चाई नजर आ रही थी। और करीम ने जल्दी ही इस सच्चाई को ध्रुव के सामने ला दिया-
ये रही रघुवंशी की फोटो ध्रुव! पच्चीस साल पुरानी इंटरपोल की फाइल में मिली है। हत्या का आरोप है इस पर।
ओ गॉड! ये तो मेरे पिता श्याम की फोटो है।
और पीछे दिख रही एफिल टॉवर से साफ पता चल रहा है कि यह तस्वीर फ्रांस की राजधानी पेरिस में खींची गई थी! ...
... और जहां तक मैं जानता हूं, मेरे पिता श्याम कभी हिन्दुस्तान से बाहर नहीं गए। ...
INTERPOL FILE
... इस फाइल के साथ रघुवंशी के कुछ पहचान चिन्ह भी हैं। ...
... अब अगर कहीं से पिताजी के पहचान-चिन्ह मिल सके तो दोनों का मिलान किया जा सकता है!
ध्रुव की यह परेशानी दूर कर दी वैशाली नाम की एक रिपोर्टर ने। जुपिटर सर्कस पर आर्टिकल लिखते-लिखते उसके हाथ, श्याम के 'डेंटल प्रिंटस' यानी दांतों की प्रतिलिपि लग गई थी-
और तब ध्रुव पर गिरी वह बिजली। जब करीम ने रघुवंशी और श्याम के दांतों के निशान का मिलान करके यह बताया कि -
ये दोनों निशान एक ही आदमी के हैं ध्रुव!
यानी... मेरे पिता श्याम ही रघुवंशी हैं। एक फरार हत्यारे! नहीं! यह नहीं हो सकता। मेरे पिता हत्यारे नहीं हो सकते!

क्योंकि उसके सामने बी-यर्ड नाम का एक ऐसा कातिल था, जिसकी दाढ़ी के ऊपर जहरीले डंक वाली मक्खियां चिपकी हुई थीं। और उन मक्खियों को उसने पूरे हॉस्पीटल में फैला रखा था–

आहा! मैं तो यहां पर तेरे ही लिए आया था ध्रुव!

ध्रुव ने बी-यर्ड को बेहोश तो कर दिया, लेकिन बेहोश होते-होते बी-यर्ड ने एक खास सीटी बजाकर सारी मक्खियों को ध्रुव के पीछे लगा दिया–

ध्रुव, उस हैटकोटधारी के साथ बगल में ही बने स्टोर रूम में घुस गया। और यहीं पर उसे मिला एक सुखद आश्चर्य–

आप... आप अंकल जैकब हैं। जुपिटर सर्कस के मालिक जैकब!

मैं तुरन्त वापस भारत भागा। तुम्हारे पास आने के लिए।

क्या था वह षड्यंत्र अंकल जैकब? किसने रचा था?

इससे पहले कि जैकब कुछ बोल पाता...

...उसकी जुबान खामोश हो गई-

अब और आगे तू नहीं बोल पाएगा बुड्ढे!

लूका!

जैकब के पेट में चाकू आ धंसा-

और इस दृश्य ने ध्रुव को पागल कर दिया। वह लूका पर टूट पड़ा। और लूका को भाग निकलने पर मजबूर हो जाना पड़ा-

धड़ाक
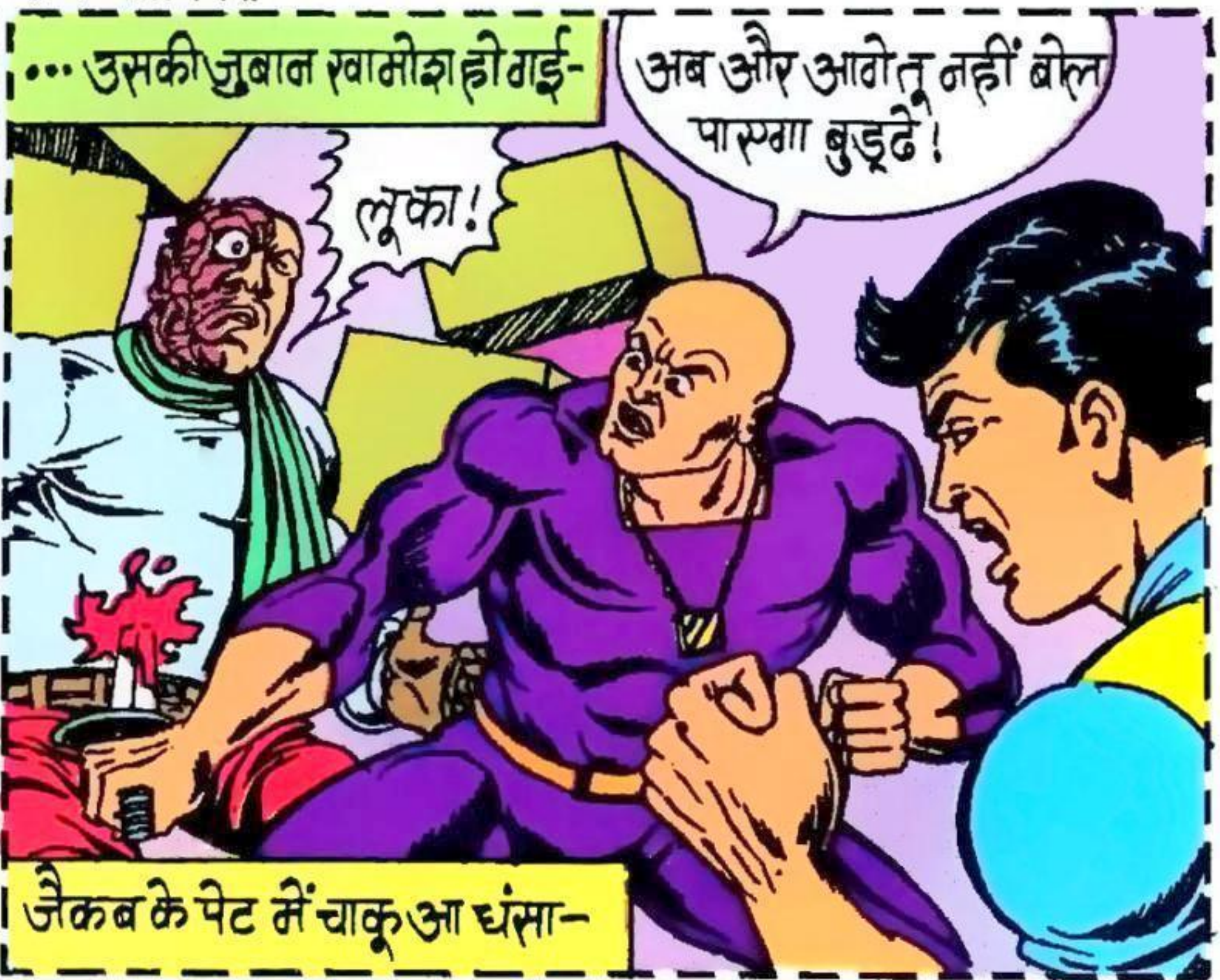
ध्रुव ने जैकब के पेट से चाकू निकाला-

पर उसी वक्त पुलिस के घटनास्थल पर पहुंच जाने के कारण उसे ही हत्यारा मान लिया गया-

और तब उसे बचाने का सबूत लेकर आए डॉक्टर-

यह त्वचा का टुकड़ा जैकब के नाखून में फंसा था। और यह न ध्रुव की त्वचा है और न ही जैकब की!

यानी लड़ाई के वक्त तीसरा आदमी भी स्टोर रूम में मौजूद था।...

...और हां। एक बात और!

हमने हर त्वचा के सेम्पलों की 'डी.एन.ए.' टेस्टिंग करी है, और उससे यह पता चला है...

...कि जिस व्यक्ति की त्वचा का यह टुकड़ा है वह ध्रुव का नजदीकी रिश्तेदार है!

रहस्यों के साए गहराते जा रहे थे। और इन पर रोशनी डाल सकने का सिर्फ एक ही रास्ता था ध्रुव के सामने-



कहानी 19 वें पन्ने से जारी

फ्रांस जाकर या तो अपने पिता को बेगुनाह साबित करने का-
और या इस सच्चाई को स्वीकार करने का कि उसकी रगों में एक हत्यारे का खून है-
ध्रुव, ख्यालों में इतना गहरा डूब गया था-
कि उसको ख्यालों से निकालने के लिए वह चीख जरूरी थी-
बचाओ!
जो उस एयर-होस्टेस के गले से निकली थी, जिसकी गर्दन पर बन्दूक की नाल आराम कर रही थी-
खबरदार, जो कोई अपनी जगह से हिला। सभी चुपचाप बैठे रहो। सिर्फ एक मुसाफिर अपनी सीट से खड़ा हो जाए। सुपर कमांडो ध्रुव! सामने आओ! मैं तीन तक गिनूंगा।... एक...
ओह! यानी मेरे दुश्मनों की घुसपैठ काफी गहरी है। उसको न केवल यह मालूम है कि मैं कहां और कैसे जा रहा हूं, बल्कि उन्होंने एक जल्लाद भी सफर पर साथ में भेज दिया।
...दो!
पॉप
ती...
गला मत फाड़ो! मैं सामने आ गया हूं। मैं ही हूं सुपर कमांडो ध्रुव!

ओह! मैं पहचान गया। हां, तू ही है कमांडो ध्रुव! लेकिन ये तेरे हाथ में क्या है? फेंक दे इसे नीचे!...
... मुझे बताया गया है कि तू बहुत खतरनाक है!
खतरनाक? हो सकता है। वैसे इस बोतल में पेप्सी है। और कुछ नहीं।
हां! डॉक्टर जरूर कहते हैं कि ये सेहत के लिए खतरनाक होती है। क्योंकि इसमें गैस भरी होती है। देखो! बोतल को हिलाओ तो गैस निकलने लगती है।
फच फच फच फच फच
और अगर इस वक्त बोतल का मुंह खोल दिया जाए तो पेप्सी की धार प्रेशर से बाहर निकलती है। देखो ऐसे।
फच्चाक
डॉक्टर सही कहते हैं। पेप्सी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। दांत जल्दी गिर जाते हैं।
धड़ाक
चलो! दुश्मनों का एक षड्यंत्र तो विफल हुआ।
इतनी जल्दी नहीं...

ध्रुव तेजी से आवाज की दिशा में घूमा-

जैसा कि तुम देख रहे हो, हम ऐसी स्थिति के लिए भी पहले से ही तैयार थे।

उठ जॉर्जी!

अब बताओ सुपर कमांडो ध्रुव!

अगर हम तुमको गोलिओं से भून दें तो तुम क्या कर पाओगे?
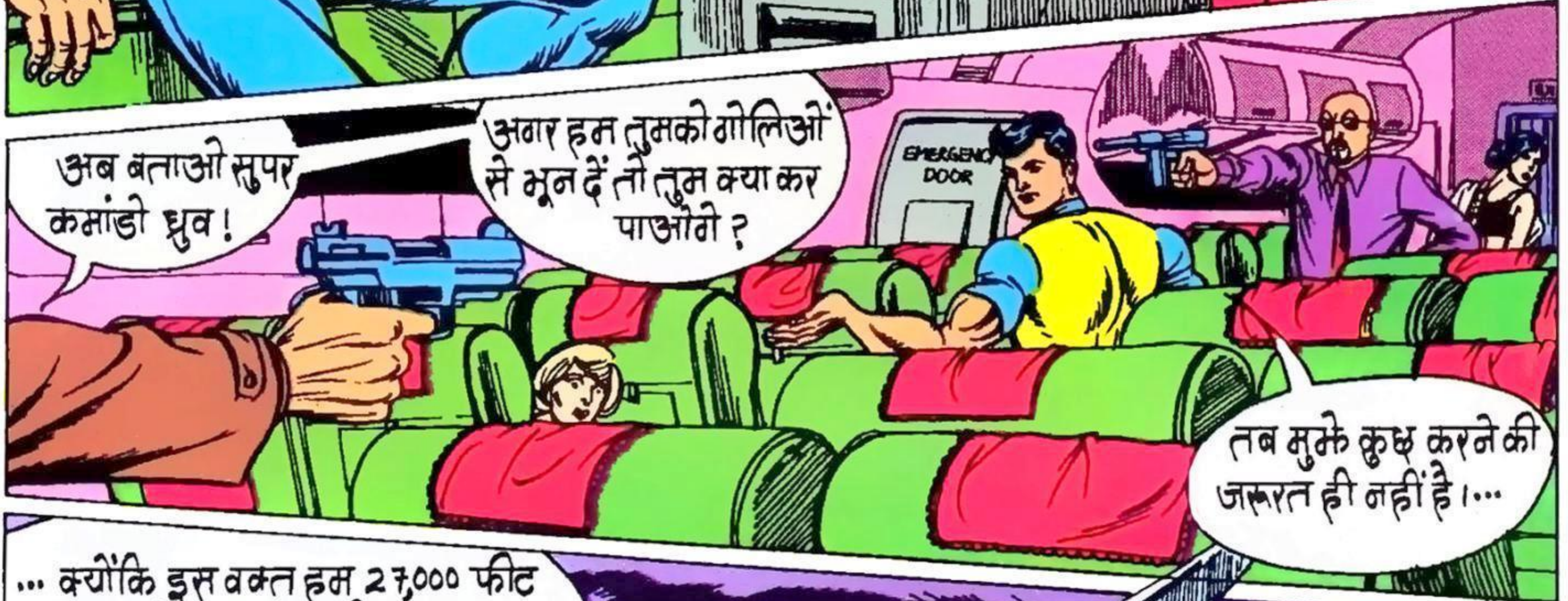
तब मुझे कुछ करने की जरूरत ही नहीं है।...

... क्योंकि इस वक्त हम 27,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे हैं। बाहर की हवा एकदम पतली है, और प्लेन के अन्दर वायु-दबाव बनाया गया है।...

... अगर मैं तुम्हारी गोलियों से उछलकर बच गया, और तुम्हारी गोलियों ने प्लेन की दीवारों में छेद कर दिया तो यह प्लेन गुब्बारे की तरह फट पड़ेगा!

तू सच कह रहा है! ऐसा हो सकता है।... ... अब हम तुझको गोलियों से नहीं मारेंगे।...

... एयर होस्टेस! कैप्टन को बुलाओ!

इन यात्रियों की जान बचाने के लिए। अगर तू दरवाजा खोलकर न कूदा, तो मैं हर तीस सेकंड में एक यात्री को मारता जाऊंगा।

पहले से ही डरे लोग एकदम स्तब्ध हो गए-
ध्रुव सचमुच प्लेन से कूदने जा रहा था-
वे सचमुच बहादुर होते हैं, जो दूसरों की तरफ बढ़ती मौत को ललकार कर अपनी तरफ बुला लेते हैं-
हवा में गिरता ध्रुव का शरीर, तेजी से सभी की निगाहों से ओझल हो गया-

हा हा हा ! कामयाबी ! कामयाबी । खत्म हो गया सुपर कमांडो ध्रुव । अब जब उसका शरीर जमीन से टकराएगा, तो यह पता नहीं चलेगा कि हाथ कहां गिरा है और पैर कहां ?
बाल- बाल बचे ! सात्रे ने साफ कह दिया था कि या तो ध्रुव बचेगा या हम लोग !

कैप्टेन, हमारा जहाज को हाईजैक करने का कोई इरादा नहीं है । तुम जहाज को 'फॉल्कन आईलेंड' की तरफ ले चलो । वहां की प्राइवेट हवाई पट्टी पर यह जहाज उतर सकता है । हम वहां पर जहाज से उतर जाएंगे !
उसके बाद हम अपने रास्ते और तुम अपने रास्ते !
कम ऑन ! हरी अप !

भरी हुई बन्दूकों के सामने बहस नहीं की जाती । पश्चिम दिशा की तरफ जा रहा प्लेन अपना रास्ता बदलकर पूर्वी दिशा की तरफ फिर से बढ़ने लगा-
अरब सागर में स्थित 'फॉल्कन आईलेंड' की तरफ-

लेकिन ध्रुव की मौत के साथ, अपहरणकर्ताओं के लिए मुसीबतों का दौर खत्म नहीं हुआ था-

जी ही, कुछ गड़बड़ लगती है!
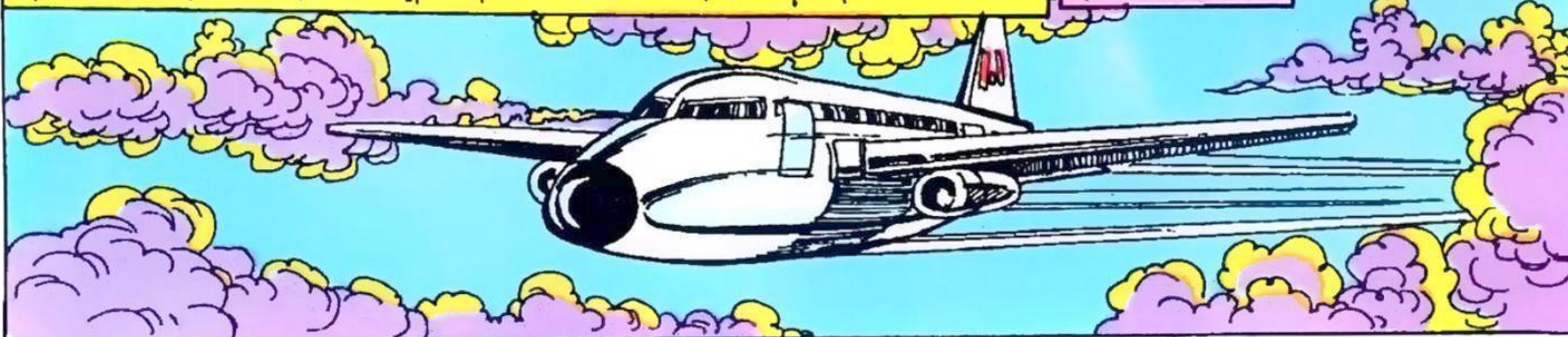
अभी ये पहाड़ी उस तरफ दिख रही थी। अब इस तरफ आ गई है।

ठीक कह रहा है तू! जरा कैप्टेन के पास जाकर पता तो कर कि कहीं वह किसी दूसरी दिशा में तो नहीं जा रहा!

अगर जरा भी चालाकी की तो उसका दायां कान काट देना। फिर भी न माने तो बायां। अब जा!

जॉर्जी, कॉकपिट में घुस गया-

और कुछ ही मिनटों बाद 'फूड ट्रॉली' लेकर एयर होस्टेस बाहर निकली-

ऐ! तू कहां आ रही है? जॉर्जी कहां है?

जोज़ी को इतना तो याद था कि उसने बोतल की तरफ हाथ बढ़ाया था–

लेकिन उसके बाद क्या हुआ, यह उसको समझ में नहीं आया। पहले तो ट्राली की ट्रे उड़कर उसके मुंह से टकराई–
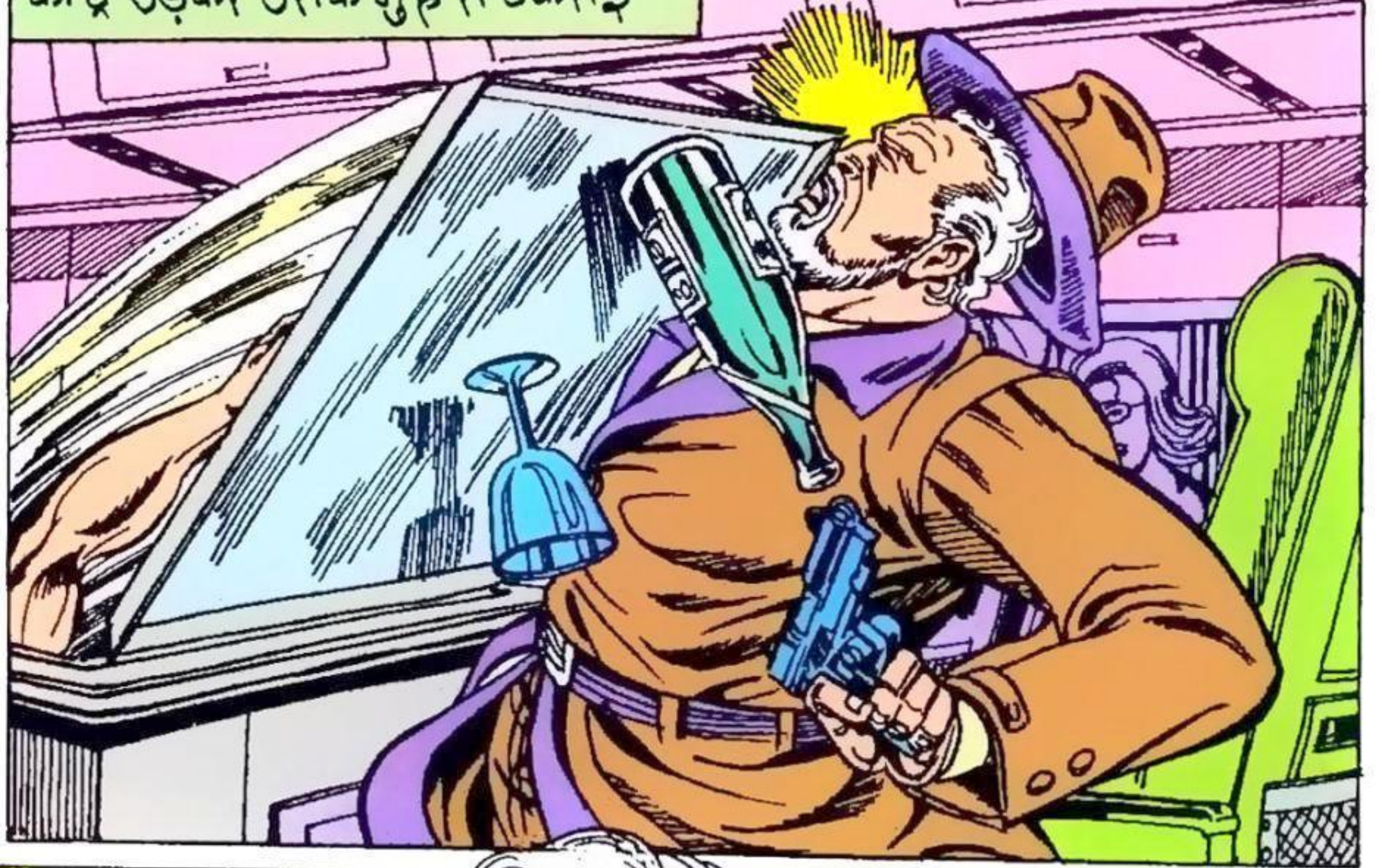
और फिर एक तेज घूंसे ने उसके होशोहवास उड़ा दिए–

और जब उसकी आंखों के आगे सितारे नाचने खत्म हुए–

धड़ाक

तो उसने वह दृश्य देखा जिसकी उम्मीद उसने कम से कम इस जन्म में तो नहीं की थी–

सु… सु… सुपर कमांडो ध्रुव! पर… तुम तो कूद गए थे। मर गए थे। तुम ट्रॉली में कैसे आ गए?

ये जादू है! तू जादू जानता है!

इस जादू को दिमाग कहते हैं जोज़ी! जिसे हिम्मत के घोल में रखा जाता है।

अब बेहोश जॉर्जी का कॉलर छोड़ दो कैप्टेन!

ये लो! अब तो मेरे भी हाथ दुखने लगे थे!
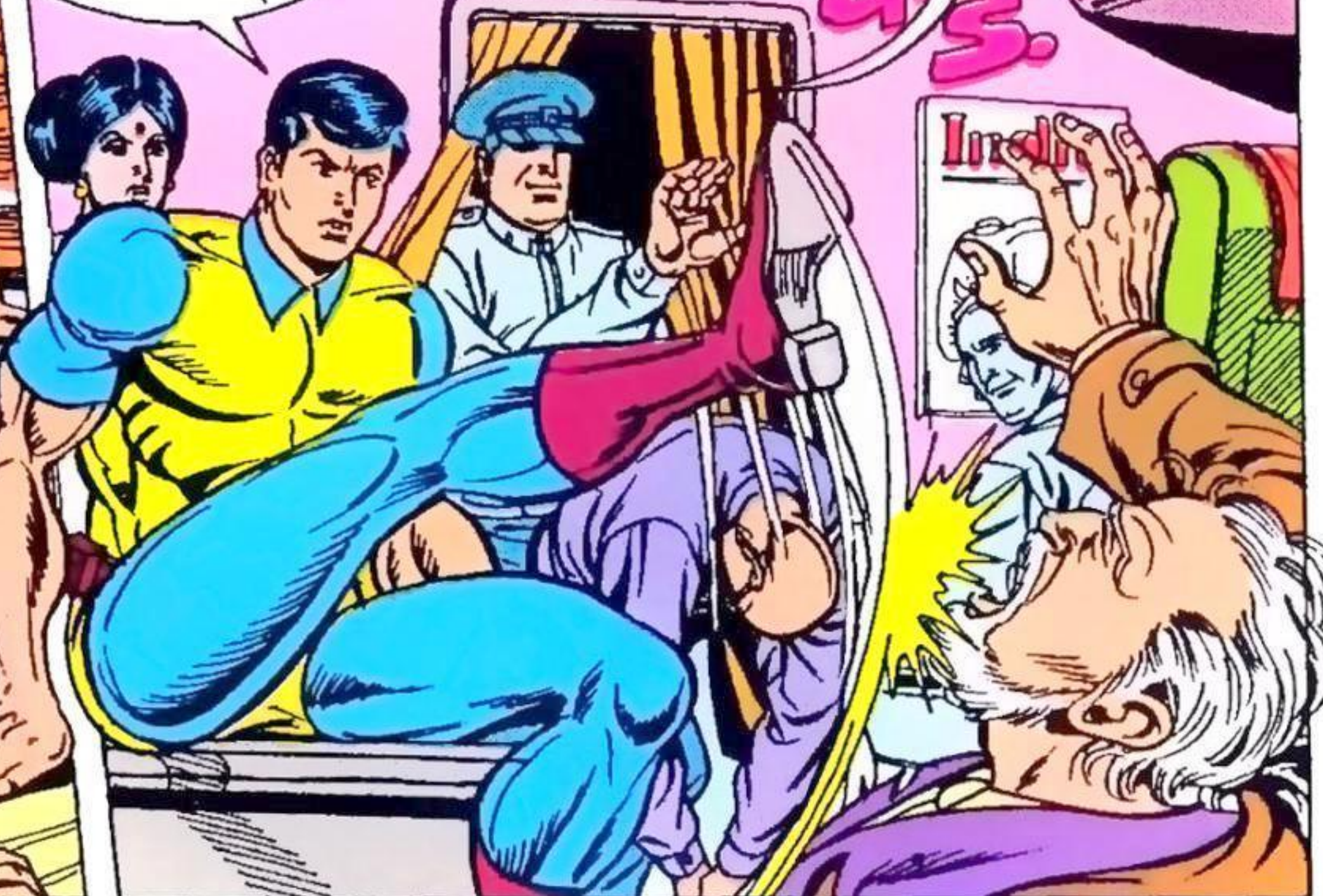
धाड़

वाह! ऐसा जादू तो मैंने भी पहले कभी नहीं देखा! मैंने तो तुमको विंड स्क्रीन को खटखटाते देखा।...
...और लपककर अपने सहचालक से कॉकपिट का दरवाजा खुलवा दिया। पर तुम नीचे कूदने के बाद विंड स्क्रीन तक पहुंचे कैसे?
मैं नीचे कूदा जरूर था कैप्टेन, पर गिरा नहीं था। गिरने से पहले मैंने स्टार लाइन का स्टार प्लेन के अन्दर ही अटका दिया था।...
...मैं जब प्लेन से लटका हवा में झूल रहा था...
...तब मैंने अपनी स्टार बेल्ट में रखे, 'सक्शन कैप' के सैट को निकालकर अपने हाथ और जूतों पर पहन लिया—
और फिर स्टार लाइन के सहारे ऊपर चढ़कर 'सक्शन कैपों' की मदद से प्लेन की सतह से चिपक गया—
और इसी तरह से चिपक-चिपककर आगे बढ़ते हुए...
...मैं कॉकपिट तक पहुंच गया। और इसके आगे की दास्तान तो आप जानते ही हैं। पहले मैंने कॉकपिट के अन्दर घुसते ही जॉर्जी को बेहोश कर दिया, और फिर ट्रॉली में घुसकर जोशी तक पहुंच गया।
EXIT
कमाल की हिम्मत दिखाई तुमने! पर ये सक्शन कैप? मैंने तो सुना था कि तुम किसी भी तरह के उपकरणों का प्रयोग नहीं करते!
सिवाय स्टार लाइन और स्टार ब्लेड के।
अब करने पर मजबूर हो गया हूं कैप्टेन! क्योंकि आज के अपराधी अपराध करने के लिए बहुत तेजी से नई-नई तकनीकें अपनाते जा रहे हैं।
ऐसे में उनका सामना करने में एक भी चूक का अर्थ है अपनी और हजारों निर्दोषों की मौत!
और उस एक चूक को रोकने के लिए कभी-कभी इन उपकरणों का प्रयोग करना जरूरी हो जाता है!
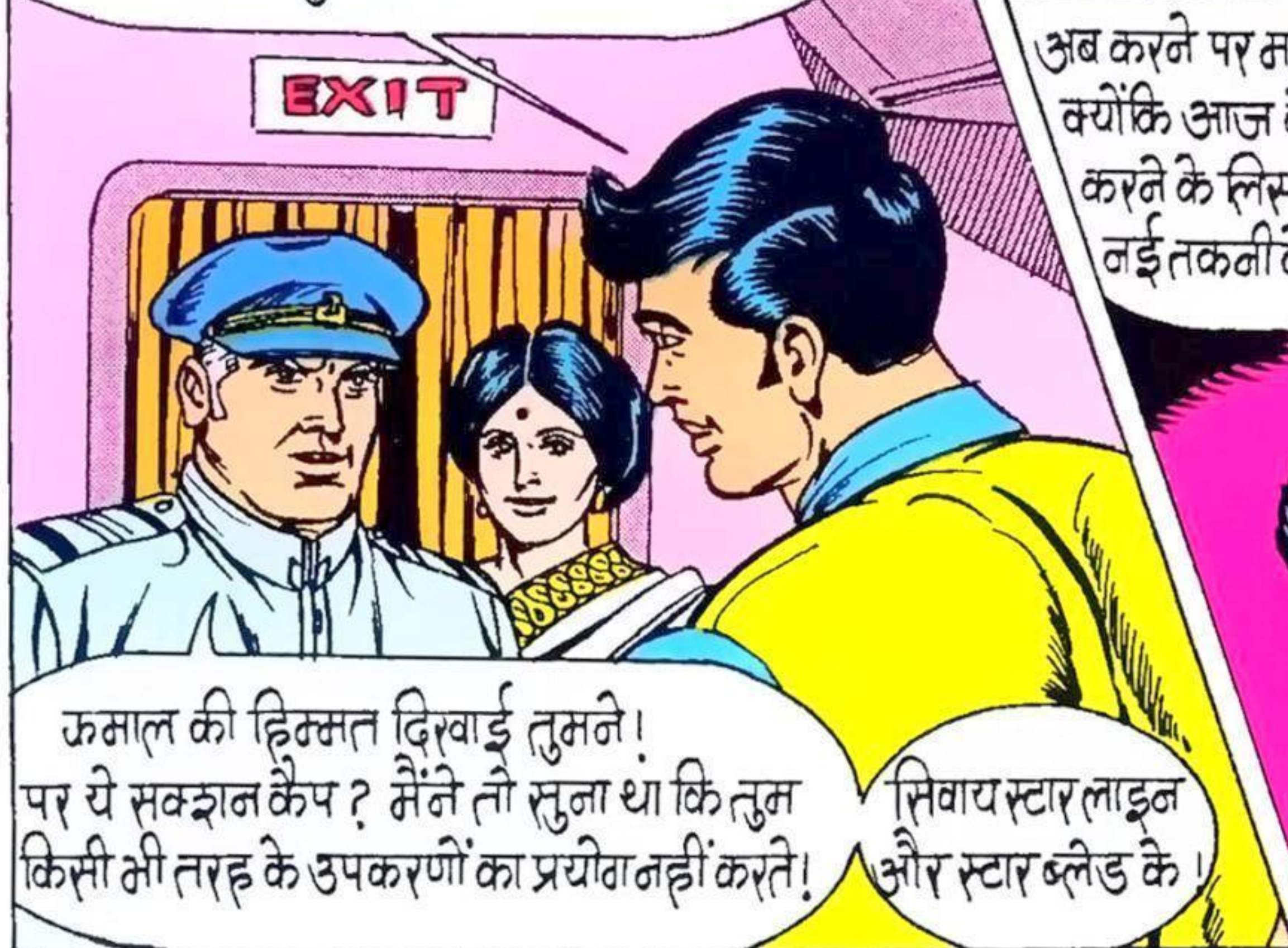
लगभग उसी वक्त- पेरिस के 'डिगॉल इंटरनेशनल एयरपोर्ट' पर-
क्या सोच रहे हो सात्रे? यही न कि तुम्हारे आदमी सफल हुए होंगे या नहीं?
असफलता का तो सवाल ही नहीं उठता, मार्सेल! दोनों आदमी मेरे चुनिन्दा हिट मैन हैं। वे किसी न किसी तरह से ध्रुव को खत्म कर ही देंगे!
पर ये हमको कैसे पता चलेगा सात्रे!
सीधी सी बात है। ध्रुव को मारने के बाद मेरे आदमी प्लेन को 'फॉल्कन आइलेंड' ले जाएंगे। अगर थोड़ी ही देर में यह खबर मिले कि प्लेन ने अपना रास्ता बदल लिया है तो समझना कि उन्होंने अपना काम...
श श श! कुछ एनाउंसमेंट हो रहा है!
STAIR
LM21 ARRIV
एटेंशन प्लीज... भारत राजनगर से आने वाली हमारी फ्लाइट नंबर KL 409...
... अपने पूर्व निर्धारित समय से आ रही है। फ्लाइट गेट नंबर 25 पर आएगी!
अपहृत हो गई। बोलो! बोलो!
ये... ये कैसे?
मूर्ख! तुमसे एक काम भी सही तरीके से नहीं हो सकता! अब तेरे आदमी पुलिस की हिरासत में सब- कुछ उगल देंगे!
चटाक
DEPARTURE
DEPARTURE
मैं तेरा नौकर नहीं हूं मूर्ख औरत कि तू मुझ पर हाथ उठाए। सात्रे पर आइन्दा हाथ उठाया तो हाथ तोड़कर रख दूंगा। अब सुन मेरी बात।...
...ये आदमी किसी को कुछ नहीं बता पाएंगे!
ईयाऽऽ
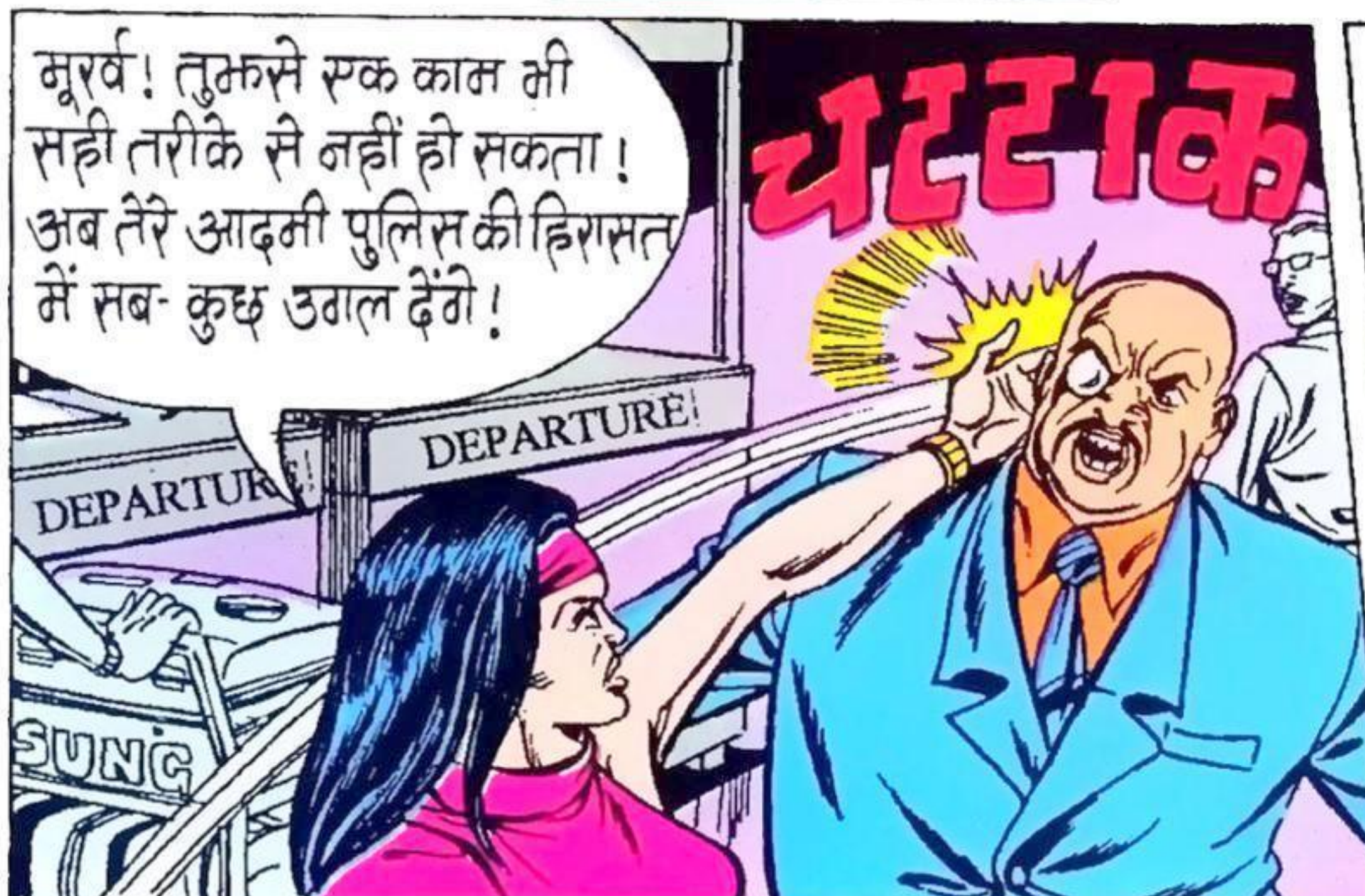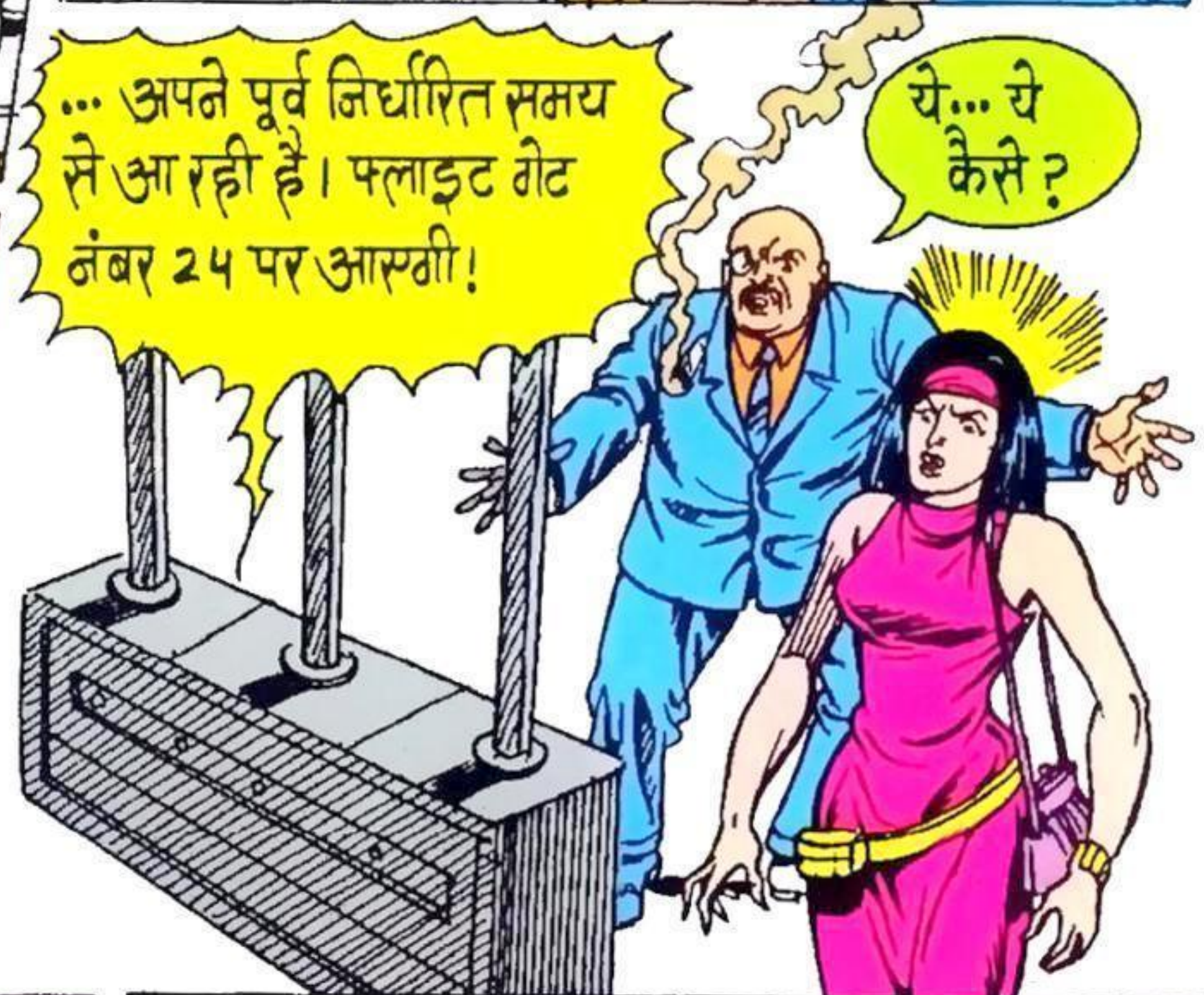
इस अभियान पर जाने से पहले मैंने अपने आदमियों को एक ऐसा जहरीला कैप्सूल, विटामिन बताकर खिला दिया था जिसके जहर का असर ३६ घंटों बाद होता है!
अगर मेरे आदमी सफल होकर वापस आते तो मैं उनको उस जहर की काट खिला देता। लेकिन अब वे पुलिस हिरासत में हैं!
और छत्तीस घंटे पूरे होने में सिर्फ तीन घंटों का समय बाकी है। जहर का असर होना शुरू हो जाएगा। तुम देखती रहो!
प्लेन के उतरते ही, फ्रेंच पुलिस ने हाईजैकरों को हिरासत में ले लिया था-
आपने इन हाईजैकरों को जिन्दा पकड़कर एक कमाल कर दिखाया है मिस्टर ध्रुव! इन्होंने आपको तो कुछ नहीं बताया, पर हमारे पास जुबान खुलवाने के कुछ नायाब तरीके हैं!...
... हम इनसे उगलवा... अरे! इन... इनको क्या हुआ?
खौं... खौं!
इनके मुंह से तो खून आ रहा है!
अब ये दोनों नहीं बचेंगे। तीन घंटे के अन्दर-अन्दर ये मृत हो जाएंगे।
कहीं पुलिस डॉक्टर ने इनको बचा लिया तो?
इस जहर की काट दुनिया का कोई डॉक्टर नहीं जानता।...
...इनको मरने से सिर्फ मैं ही बचा सकता हूं। और यह मैं करूंगा नहीं!

चलो, ये समस्या तो सुलझ गई। लेकिन असली समस्या तो वहीं की वहीं है। ध्रुव अभी भी जिन्दा है, और फ्रांस तक पहुंच गया है!

जल्दी ही वह ल्योन भी पहुंच जाएगा। फिर हमारे सामने उसका स्वागत करने के सिवाय और कोई रास्ता नहीं बचेगा!

और जब वह अपने बाप रघुवंशी के बारे में पूछेगा तो क्या जवाब दोगी?

लूका की हरकत का क्या कारण बताओगी? नहीं, ध्रुव को मरना ही होगा!

और इस बार मैं खुद उसको मारने का इंतजाम करूंगा।

व्यक्तिगत रूप से!

ठीक है। इस वक्त तो वैसे भी हम कुछ नहीं कर सकते। क्योंकि ध्रुव पुलिस के साथ है!

अब मुझे भी वह काम करने जाना है, जिसके लिए मैं और जिगसा खासतौर से पेरिस आए हैं!

पेरिस स्थित 'डिफेंस एंड रिसर्च लैब' से एक नायाब आविष्कार उड़ाने के लिए!

ध्रुव इस बात से अन्जान था कि इस षड्यंत्र के सूत्रधार उसके बवाल में ही थे, और वहां से सरकने वाले थे–

आपको हमारे साथ पुलिस हैडक्वार्टर तक चलना होगा मिस्टर ध्रुव! हम आपका बयान लेना चाहते हैं!

चलिए! मैं तो वैसे भी फ्रांस आया ही हूं, पुलिस की मदद लेने के लिए।

और फिर– पेरिस स्थित फ्रेंच पुलिस के हैडक्वार्टर में–

और इस तरह से आपने उन दोनों अपहरणकर्ताओं को काबू में कर लिया।

लेकिन ये दोनों आपको मारना क्यों चाहते थे मिस्टर ध्रुव?

POLICIA

यह तो फिलहाल मैं खुद भी नहीं जानता इंस्पेक्टर!

लेकिन अगर मैं आपके कमिश्नर से मिल सकूं तो काफी कुछ जान सकता हूं...

...मिस?

वेरा! मेरा नाम वेरा विसेट है!

और अभी-अभी मेरे कंप्यूटर पर मैसेज आया है कि कमिश्नर साहब खुद आपसे मिलना चाहते हैं!

आइए! मैं खुद आपको उनके पास ले चलती हूं!

पेरिस पुलिस कमिश्नर ध्रुव का ही इन्तजार कर रहे थे-

वेलकम, ध्रुव!

कमिश्नर राजन मेहरा मेरे पुराने दोस्त हैं। उनका बेटा, मेरे बेटे जैसा ही है। वेलकम। वेलकम!

मैं फ्रॉस्वा हूं! तुम्हारे बाप जैसा!

यानी आपको पापा का मैसेज मिल गया। तब तो आपको यह भी पता चल गया होगा कि मैं फ्रांस क्यों आया हूं!

हां बेटे। पता तो चल गया है। और मैंने थोड़ा बहुत चेक भी किया है। पर मुझे अफसोस है कि मैं तुम्हारी ज्यादा मदद नहीं कर पाऊंगा!

PARIS

ऐसा क्यों अंकल?

आप लोगों के पास तो रघुवंशी पर सारी जानकारी होगी!

थी। पर है नहीं! मैंने मैसेज मिलते ही रघुवंशी की फाइल चेक की थी। लेकिन न जाने कैसे कंप्यूटर पर से उस केस की पूरी फाइल गायब हो चुकी है।

हमारे क्राइम-रजिस्टर में से भी उस केस के पन्ने किसी ने फाड़ लिए हैं!

FILE 19E62

DELETED
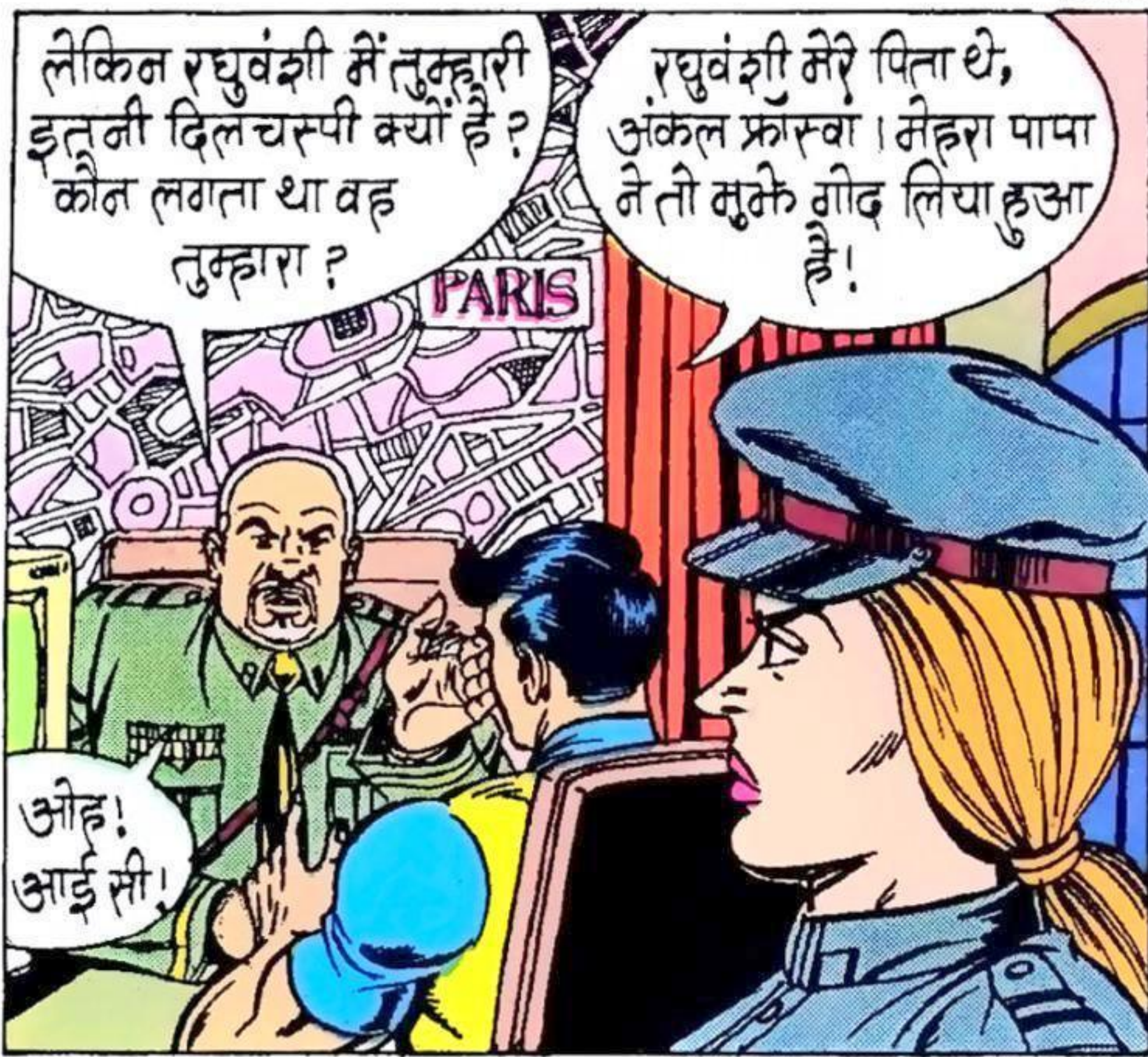
लेकिन रघुवंशी में तुम्हारी इतनी दिलचस्पी क्यों है? कौन लगता था वह तुम्हारा?
PARIS
रघुवंशी मेरे पिता थे, अंकल फ्रांस्वा। मेहरा पापा ने तो मुझे गोद लिया हुआ है!
ओह! आई सी!
अगर तुम यहां पर अपने पिता को निर्दोष साबित करने आए हो तो इसका ख्याल छोड़ दो! उसके खिलाफ सबूत काफी पक्के थे!
बाकी मैं ल्योन में रघुवंशी की एस्टेट को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूं। यह काम मुश्किल इसलिए है, क्योंकि वह इलाका ऐसी एस्टेटों से भरा हुआ है!
इसमें न जाने कितने दिन लग जाएं!
तब तक तुम यहां पर रुककर क्या करोगे? मेरे ख्याल से तो तुम भारत वापस जाकर हमारे मैसेज का इन्तजार करो!
मैं बिना जवाब लिए यहां से वापस नहीं जाऊंगा। या तो मैं अपने पिता को निर्दोष साबित करूंगा और या उनके हत्यारा होने का कारण जानूंगा... चाहे इसमें आप मेरी मदद करें या न करें!
ऐसा क्यों सोचते हो बेटे? अगर तुम्हारा इरादा पक्का है तो मैं हर कदम पर तुम्हारे साथ हूं!
थैंक्यू अंकल! मैं एक-दो दिनों तक रिट्ज होटल में ठहरता हूं!
अगर आपको रघुवंशी का पता या उस केस के बारे में कोई भी जानकारी मिले तो मुझे वहीं पर संपर्क कर लें!
ओ० के० ध्रुव!
इसी वक्त- पेरिस में कहीं-
ओह! यानी ध्रुव पेरिस में है। और हमको भी अपना काम आज रात पेरिस में ही करना है। अगर कहीं कुछ रुकावट आई तो...
रुकावट नहीं आएगी जिमसा!
उधर आप अपना काम कीजिए, इधर मैं ध्रुव का काम तमाम करता हूं!...

★ यह सब जानने के लिए पढ़ें: 'खूनी खानदान'

और आज भी इस लड़ाई का फैसला मौत से ही होना था-
हाआआआई
कड़ड़ंक
ये तो गया! खैर हर फाइटर से हम इस बात का फार्म तो भरवा ही लेते हैं कि हम इस हादसे के जिम्मेदार न माने जाएं!
विनर इज।... क्रशर! 106 वीं जीत! और कोई हार नहीं!
आज दर्शकों में एक खास दर्शक भी मौजूद था-
क्रशर, मुझे तुमसे कुछ जरूरी बात करनी है। जरा नीचे आ जाओ!
ओह! तुम आ गए! लेकिन क्रशर सिर्फ रिंग में बात करता है!
मतलब?
ध्रुव के रिंग में चढ़ते ही सन्नाटा छा गया-
सब समझ रहे थे कि कोई नया फाइटर रिंग में आ गया है-
ये मैसेज तुमने भेजा था?
यही समझ लो!
क्या जानते हो तुम रघुवंशी के बारे में?
वह मेरी जुबान बता सकती है। लेकिन वह तभी चलनी शुरू होती है, जब मेरे हाथ रुकते हैं!
फाइट मी! अगर तुमने मुझे हरा दिया, तो तुम वह सब-कुछ जान सकोगे जो तुम जानना चाहते हो...
...अगर नहीं, तो भारत वापस लौट जाओगे!
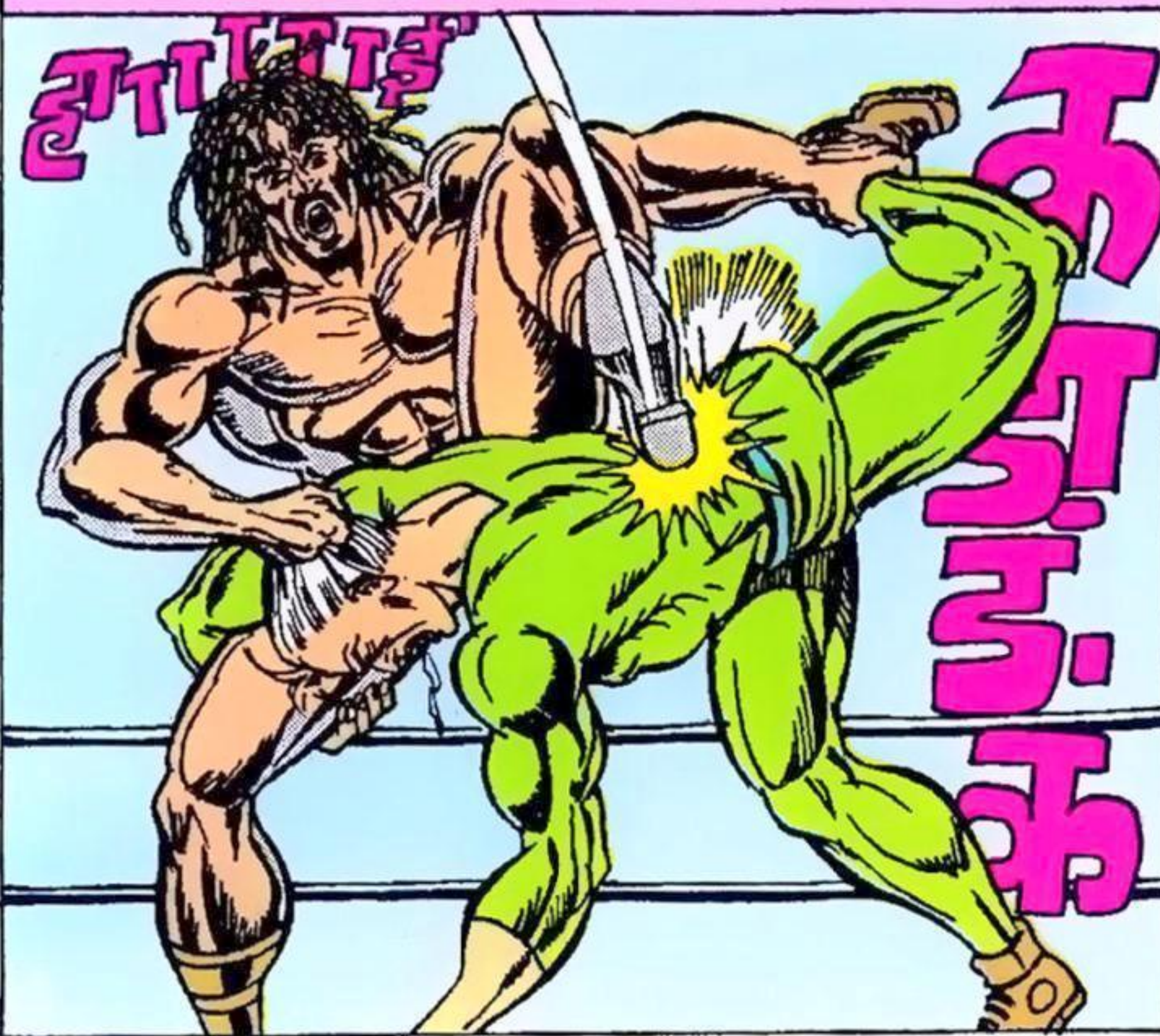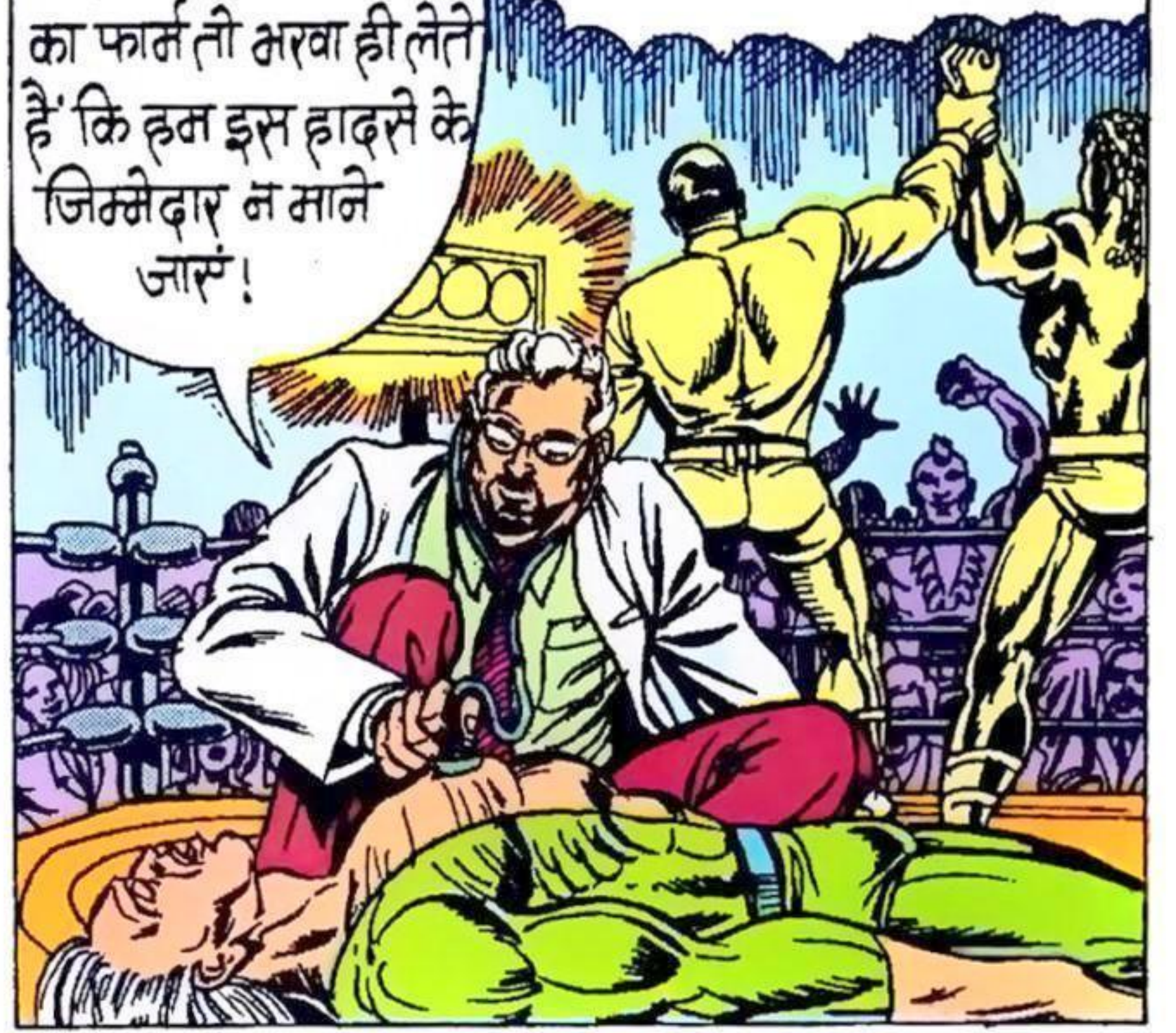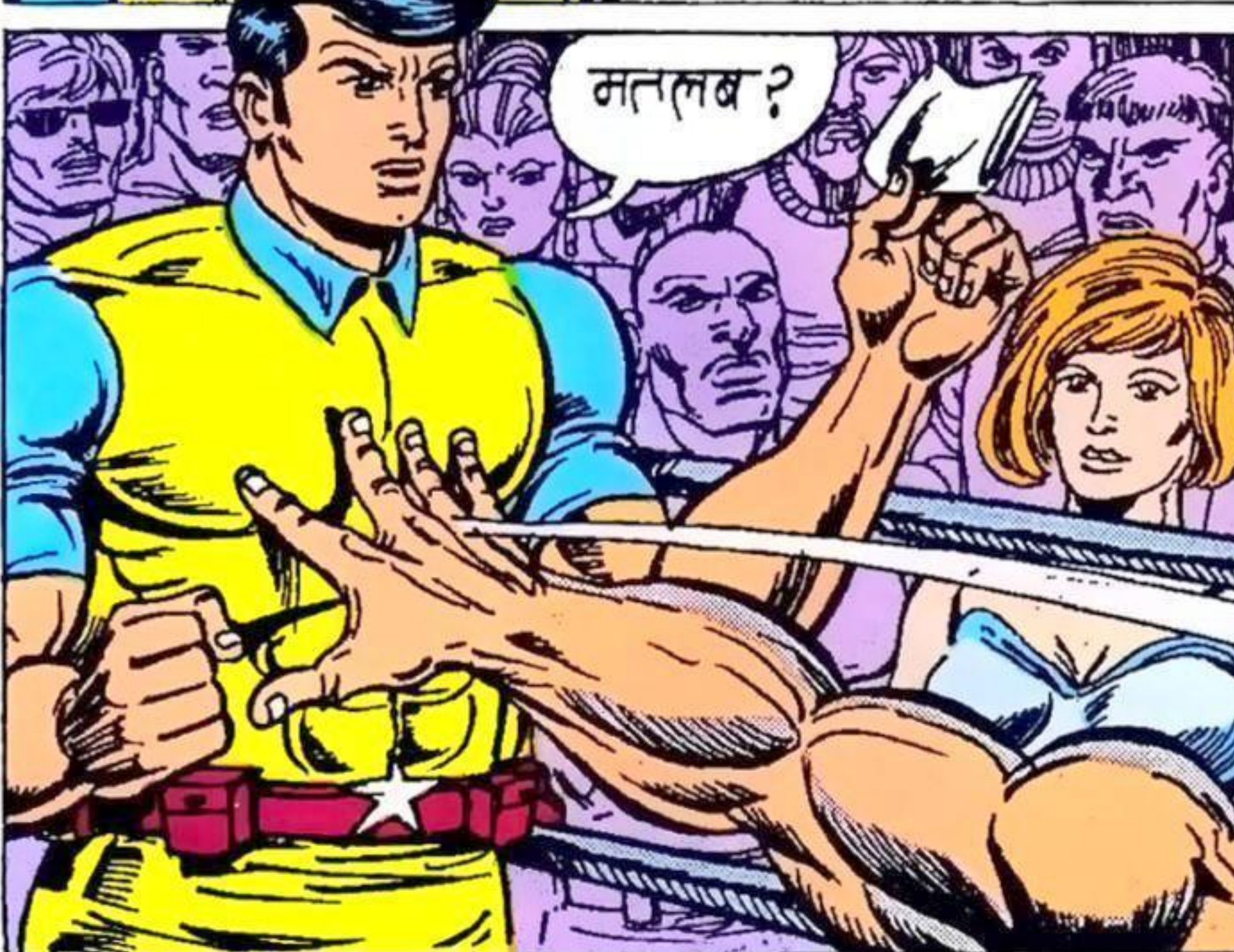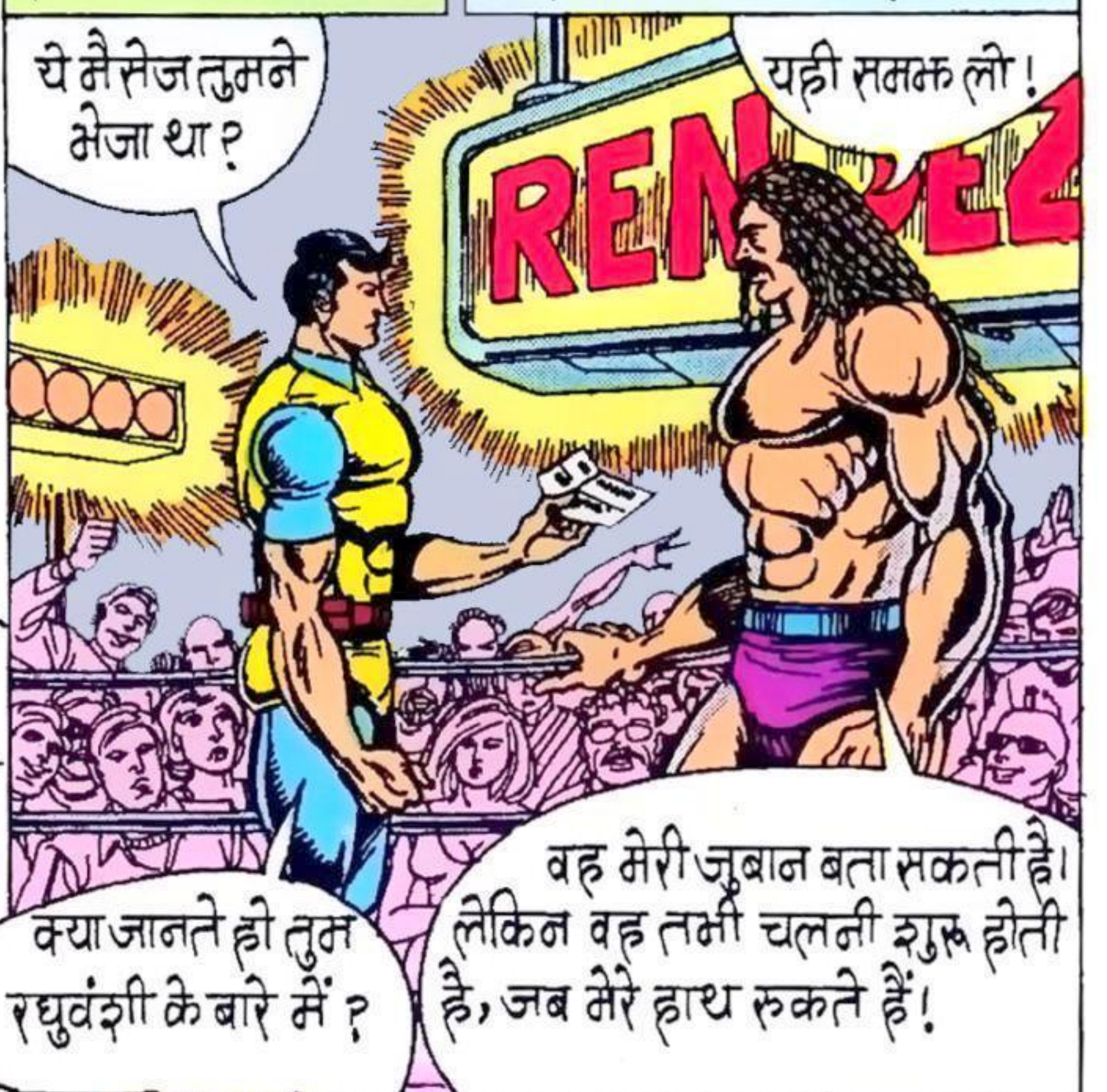
ओह! तो ये है दुश्मन की चाल! इस चाल की तारीफ तो मुझको भी करनी पड़ेगी। क्योंकि अब मैं इस क्रशर से लड़ने पर बाध्य हो गया हूं। यही मेरा एकमात्र सूत्र है!
और अगर इसने मुझे रिंग में खत्म कर दिया तो दुश्मनों का काम भी हो जाएगा, और इस पर कोई केस भी नहीं बनेगा!
इस फॉर्म पर दस्तखत कर दीजिए मिस्टर ध्रुव!
यह दृश्य देखकर किसी के होंठों पर मुस्कान खेल गई-
हा हा हा! सुपर कमांडो ध्रुव, तू अपने मौत के परवाने पर दस्तखत कर रहा है!
रेफरी की सीटी बजी-
पिर्र्र
और फाइट शुरू हो गई-
मुझे कोई भी वार करने से पहले इसकी फाइटिंग-स्टाइल समझनी होगी।

ताकि ये...
आऽऽऽह !
ध्रुव ने किक का वार तो बचा लिया, लेकिन अपनी तरफ बढ़ते घूंसे को वह नहीं देख पाया–
वार जोरदार था–
इस बार ध्रुव ने अपना ध्यान क्रशर के बढ़ते घूंसों पर रखा–
तड़ाक
और एक तेज किक उसके जबड़े से आ टकराई–
ओह! मैं समझ गया। क्रशर, 'सवाटे' स्टाइल से लड़ता है। एक पुरानी फ्रेंच फाइटिंग स्टाइल, जिसमें घूंसों और किकों का बराबर मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है। ...
...और इस स्टाइल का काट मुझे नहीं आता !
ध्रुव की किक तो जोरदार थी–
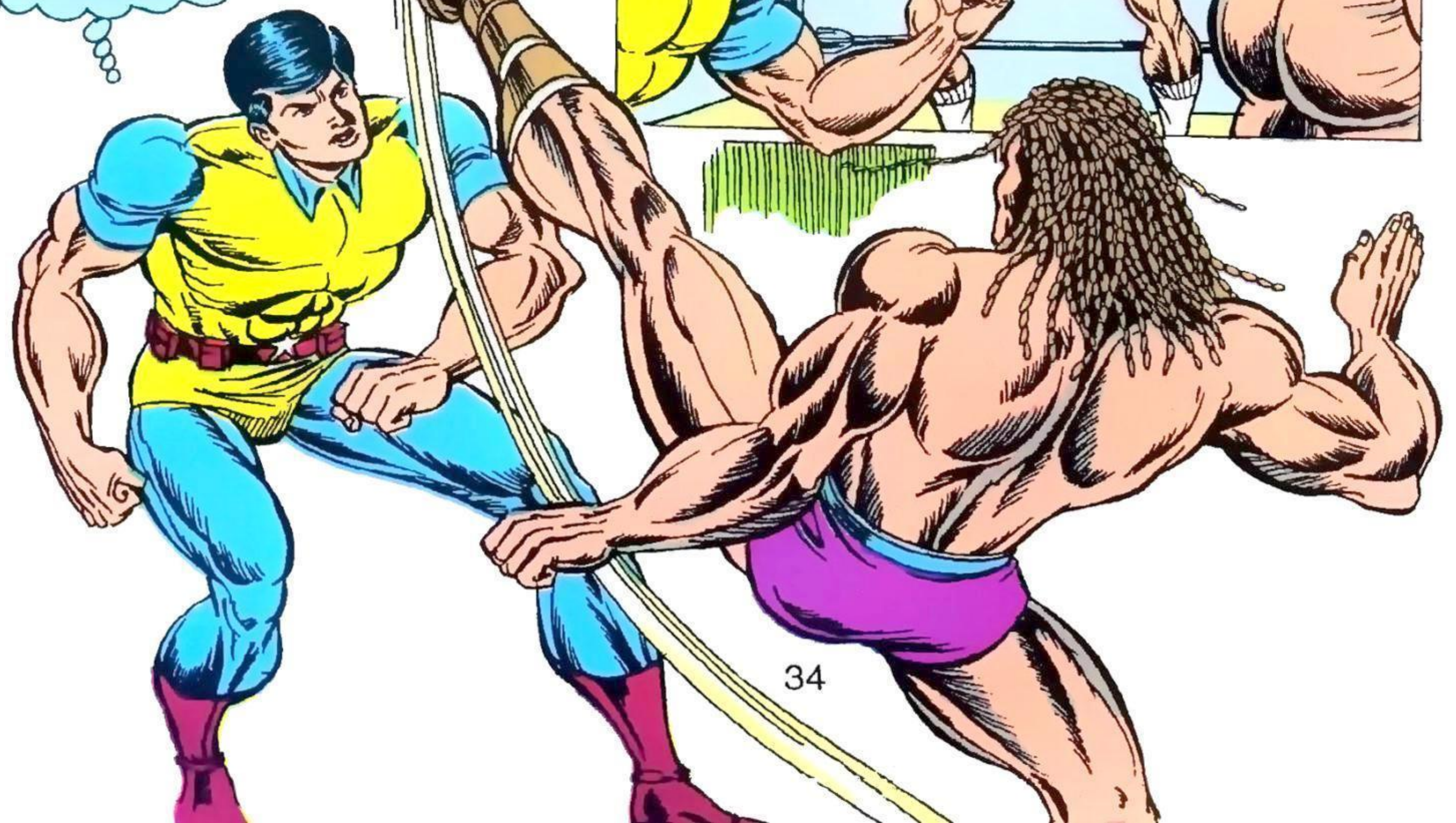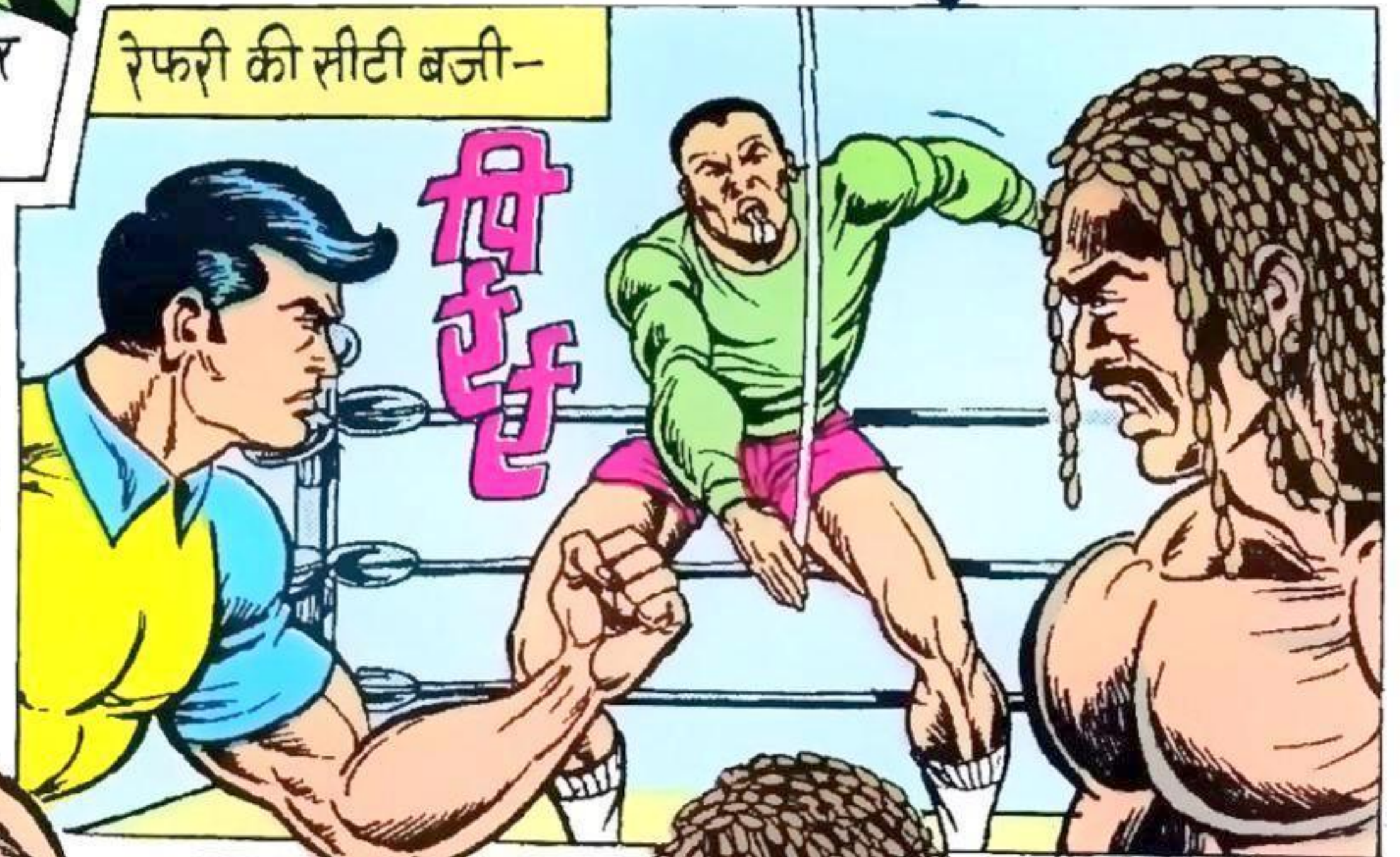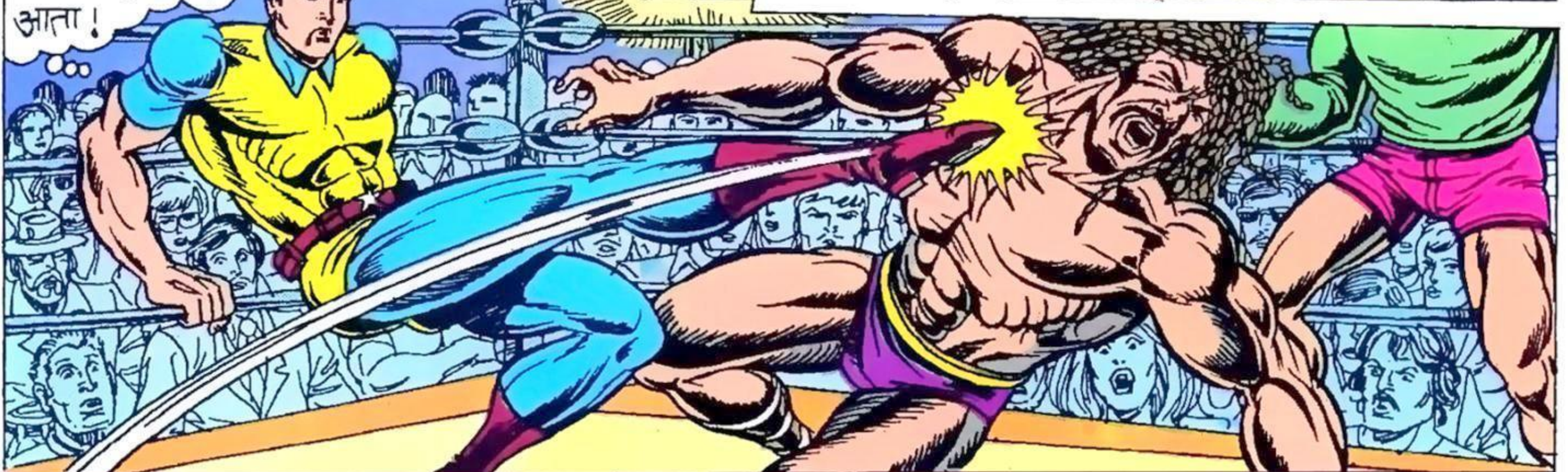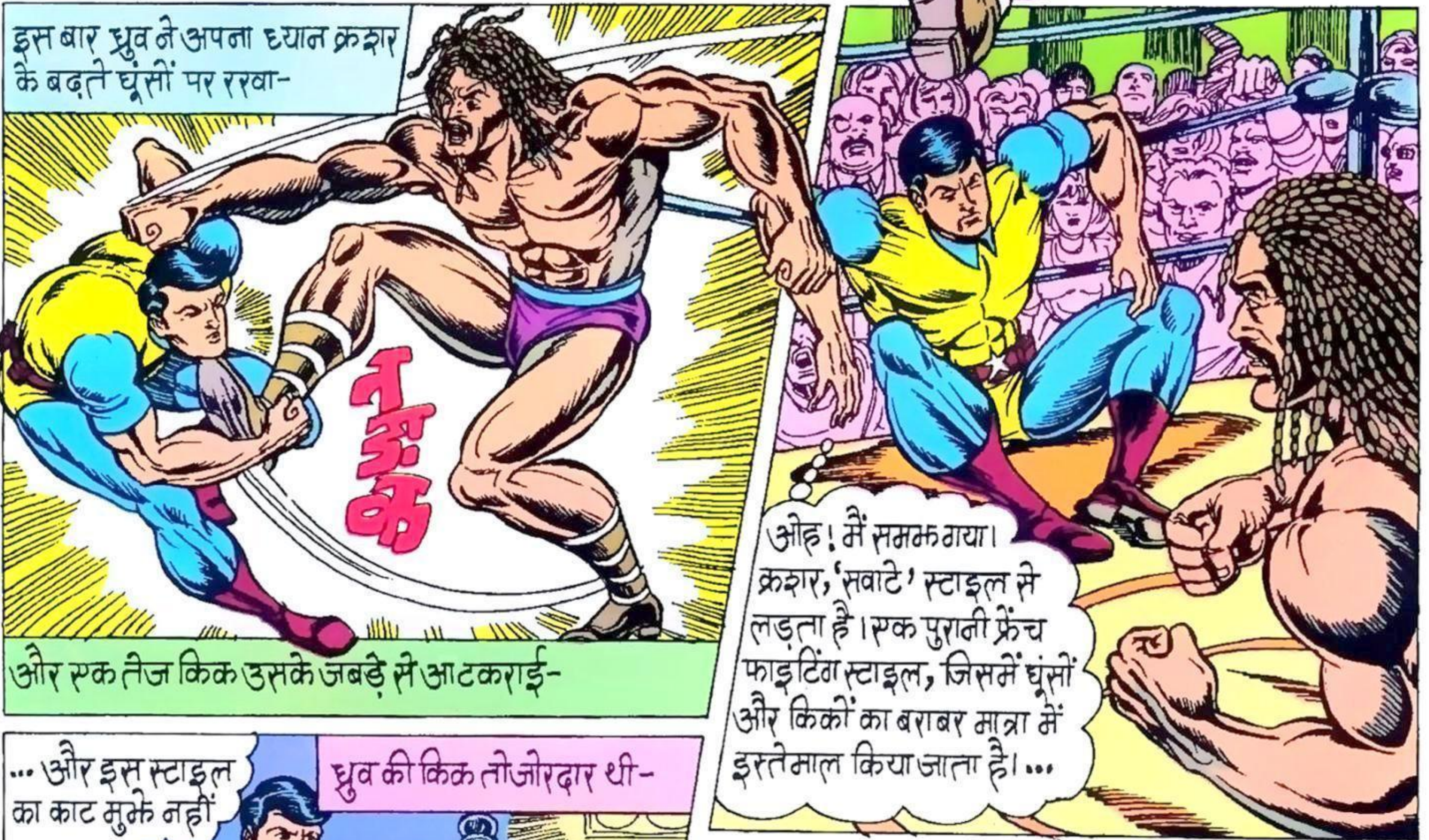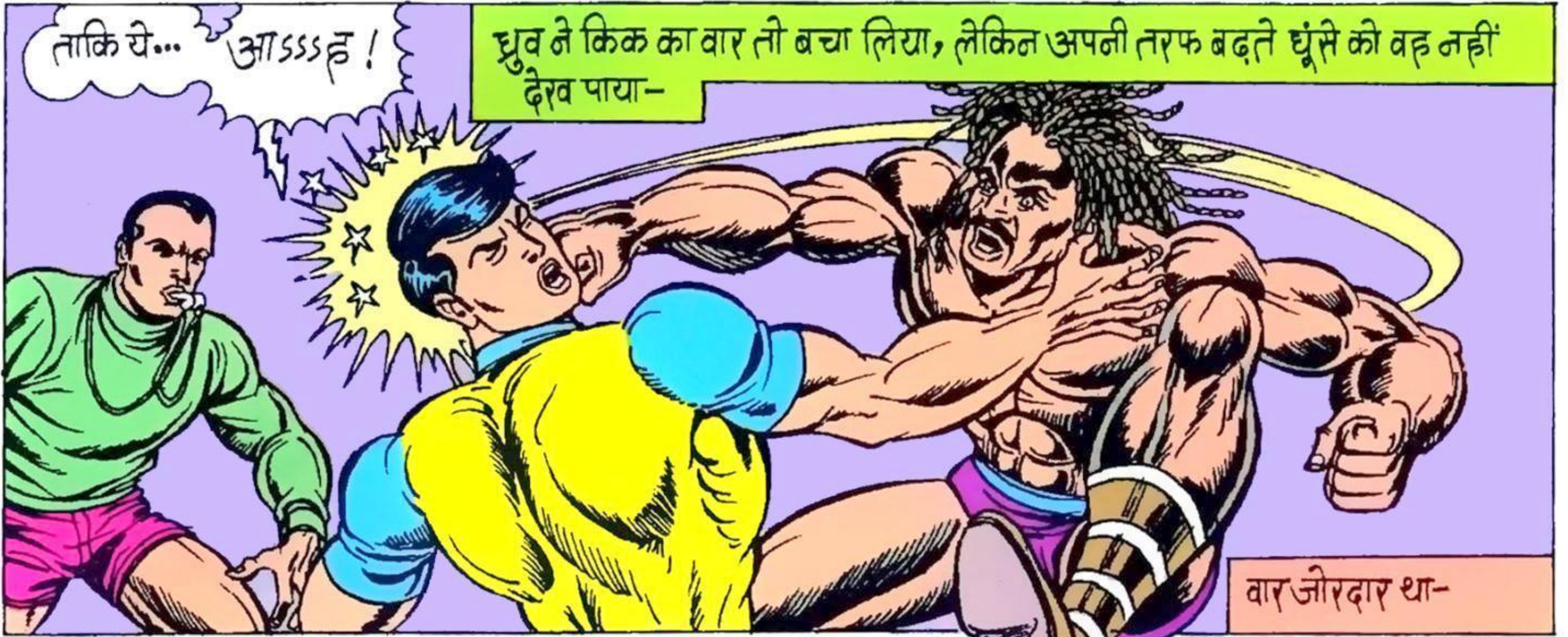
लेकिन इससे पहले कि उसका पैर दूसरा वार करने के लिए हवा में लहरा पाता-
क्रशर की लात हवा में लहरा उठी। और ध्रुव को ऐसा लगा, मानो किसी ने उसकी गर्दन को धड़ से अलग कर दिया है-
कड़कक
और उसके बाद ध्रुव के शरीर पर वार, घन की तरह लगातार बरसने लगे-
आऽऽह
इतना सबक तेरे लिए काफी होना चाहिए हिन्दुस्तानी कीड़े...
... जा, टांगों के बीच में दुम दबाकर हिन्दुस्तान वापस लौट जा। अपने कातिल बाप का अतीत जानने का ख्वाब छोड़ दे...

वर्ना तेरे शरीर का सारा हिन्दुस्तानी खून इसी रिंग में बहा...
...ओह! तू फिर से खड़ा हो रहा है। लड़ेगा मुझसे? तो फिर आ! मरने वाले की आखिरी इच्छा हम जरूर पूरी करते हैं!
बहुत हो गया, क्रशर! मैं न तो तेरी तरह क्रूर हूं, और न ही पेशेवर फाइटर!...
...लेकिन कसम है मुझे अपनी रगों में बहते हिन्दुस्तानी खून की! अब अगर तू मेरे बदन को अपने हाथों से छू भी सका, तो मैं हिन्दुस्तान लौट जाऊंगा!
ऐसा है तो... लेऽऽऽऽऽऽऽऽ
तड़ाक
ध्रुव का शरीर, अब ज्यादातर समय हवा में ही बिता रहा था-
और क्रशर के बढ़ते हाथ ध्रुव के शरीर के बजाए, उसके शरीर को छूकर आती हवा को ही टटोल पा रहे थे-
खटाक
अब क्रशर को लग रहा था मानो उसका पूरा शरीर पत्थर तोड़ने वाली मशीन से कई बार गुजर कर निकला हो-

और आखिरकार- क्रशर की सहन-शक्ति भी उसका साथ छोड़ गई-
और उसकी टांगों की शक्ति भी-
कुछ पलों तक तो चारों तरफ घनघोर सन्नाटा छाया रहा-
और फिर एक कड़कदार आवाज गूंजी-
सात्रे की आवाज-
EXIT
सवाटे बैंड! आकर खत्म कर दो इस छोकरे को!
किसी अनहोनी की आशंका से पूरे हॉल में लोगों का बाहर की तरफ भागना शुरू हो गया था-
जब तक ध्रुव की कुछ समझ में आ पाता-
तब तक वह चारों तरफ से घिर चुका था-
शेर का शिकार करने के लिए जंगली कुत्तों की टोली आ गई थी-
और उन्होंने हमला शुरू कर दिया था-
ओह! मुझे घेरकर मारने का प्लान है।...
...और ये प्लान उसी आदमी ने बनाया होगा, जिसने सवाटे बैंड को बुलाया है।...
...शायद ये कामयाब भी हो जाएं। क्योंकि क्रशर से हुई लड़ाई ने मुझे बुरी तरह से थका दिया है।...
...मुझे लड़ने के लिए रिंग से बाहर निकलकर खुली जगह पर जाना होगा!

सवाटे बैंड आसानी से ध्रुव का पीछा छोड़ने वाला नहीं था-
तड़ाक
और ध्रुव भी इतनी आसानी से सवाटे बैंड के अपनी जान लेने के इरादे को कामयाब होने नहीं दे रहा था-
धड़ाक
तड़ाक
ताड़
लेकिन हमलावरों की तादाद ज्यादा थी। और ध्रुव पर कमजोरी धीरे- धीरे हावी हो रही थी-
तड़ाक
लेकिन इससे पहले कि ध्रुव की जान, शरीर से निकलती-
ताड़
एक आश्चर्यजनक हादसा हुआ-

सवाटे बैंड पर कोई और बिजली बनकर टूट पड़ा था-
या यूं कहिए कि टूट पड़ी थी-
अरे! यह कौन लड़की यहां पर ध्रुव की मदद करने के लिए आ गई?
धड़ाक
तड़.
ध्रुव, खुद भी चकित था-
फ्रांस में मेरा मददगार कहां से पैदा हो गया? यह लड़की भी सवाटे की एक्सपर्ट लगती है!
... खैर, जो भी हो! इस व्यवधान ने मुझे संभलने का इतना मौका जरूर दे दिया है...
...कि अब मैं खुद भी सवाटे बैंड से निपट सकता हूं।
तड़ाक
ये प्लान भी टांय-टांय फिस्स हो गया लगता है। फिलहाल तो यहां से निकल लेना चाहिए।
ध्रुव और उसके रहस्यमय मददगार के संयुक्त हमले के सामने सवाटे बैंड का जल्दी ही बाजा बज गया-

पूरी लड़ाई के दौरान, ध्रुव की नजरें, सात्रे पर ही जमी हुई थीं-
ओह! इस षड्यंत्र का सूत्रधार तो दुम दबाकर भाग रहा है। और अगर ये भाग गया तो फिर कुछ जान पाने का एक और रास्ता हाथ से निकल जाएगा!
ध्रुव, सात्रे के पीछे लपका-
लेकिन सात्रे तक पहुंच नहीं पाया-
तड़ाक्कक्क
ओह! यह क्या? तुमने मुझ पर हमला क्यों किया? मैं तो समझ रहा था कि तुम मेरे साथ हो!
तुम गलत समझ रहे थे। मैंने 'सवाटे बैंड' को सिर्फ इसलिए पीटा क्योंकि वे तुम्हारी जान लेने जा रहे थे।...
...और मैं तुम्हारी जान किसी और को लेने नहीं दे सकती!...
... क्योंकि तुम्हारी जान पर मेरा हक है। सिर्फ मेरा!
तड़ः
ओह! तुमने तो एक नया रहस्य खड़ा कर दिया। खैर हम अपना झगड़ा बाद में भी निपटा सकते हैं।...
...फिलहाल मुझे उस मोटे के पीछे जाना है! वर्ना दूसरा मौका मुझे न जाने कब मिलेगा!
दूसरे मौके की तो तुमको जरूरत ही नहीं पड़ेगी। क्योंकि मैं तुमको अभी और यहीं पर खत्म कर दूंगी!
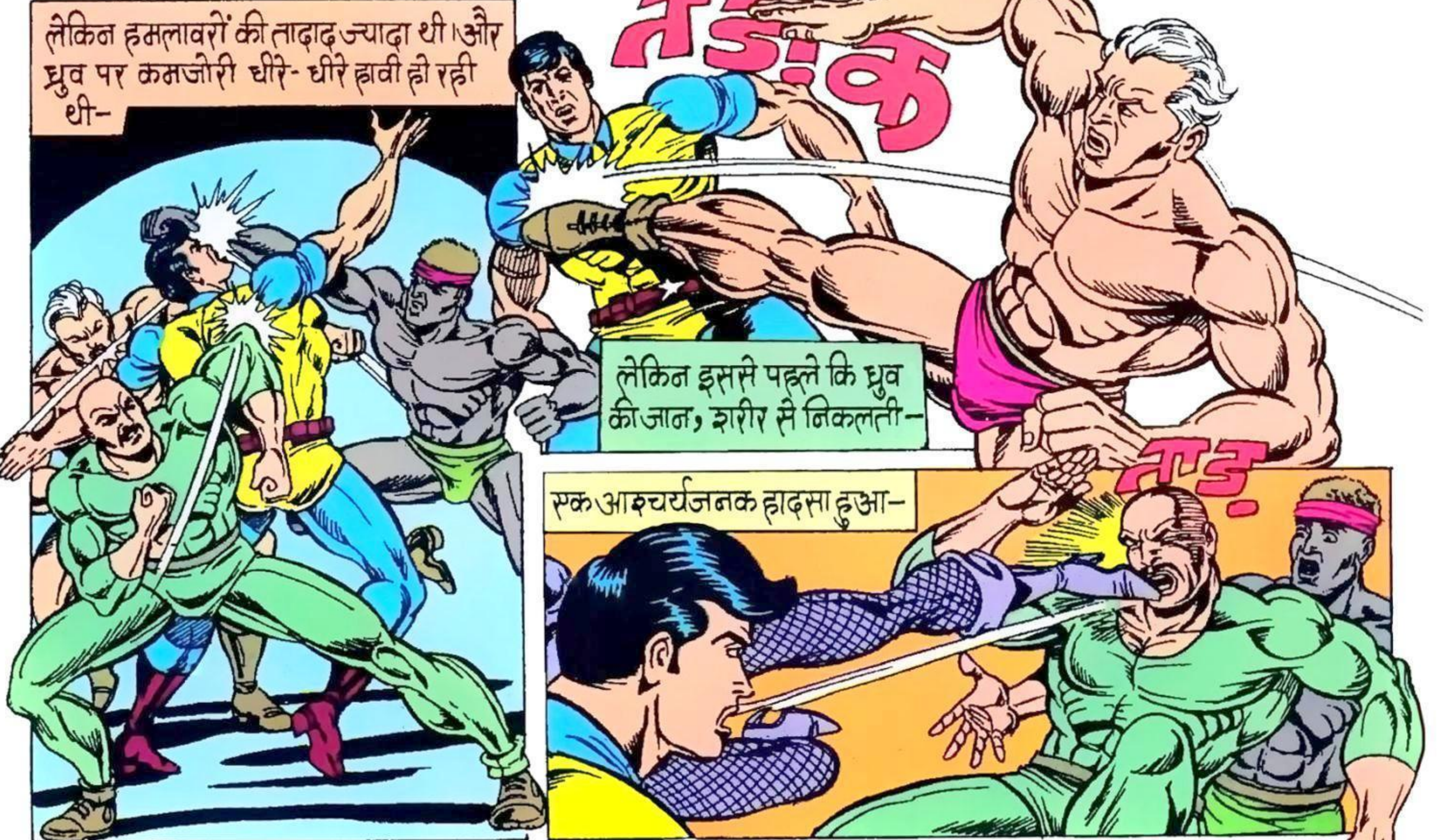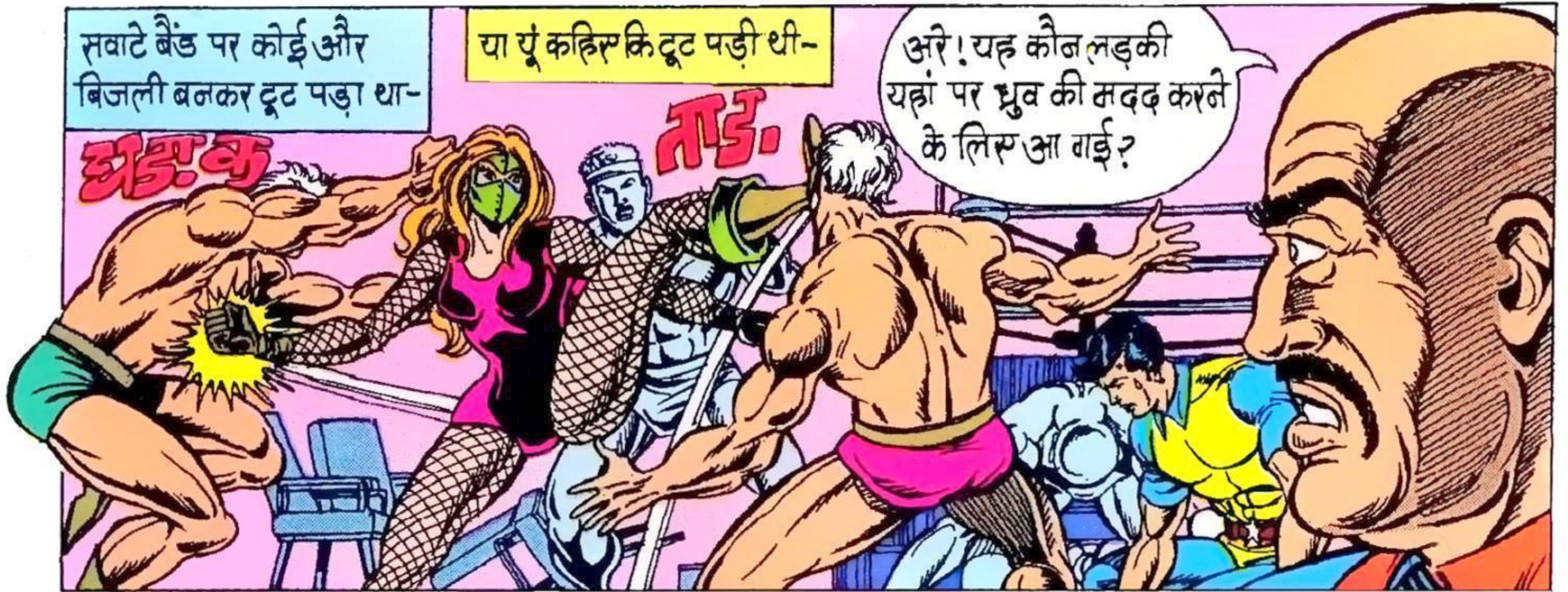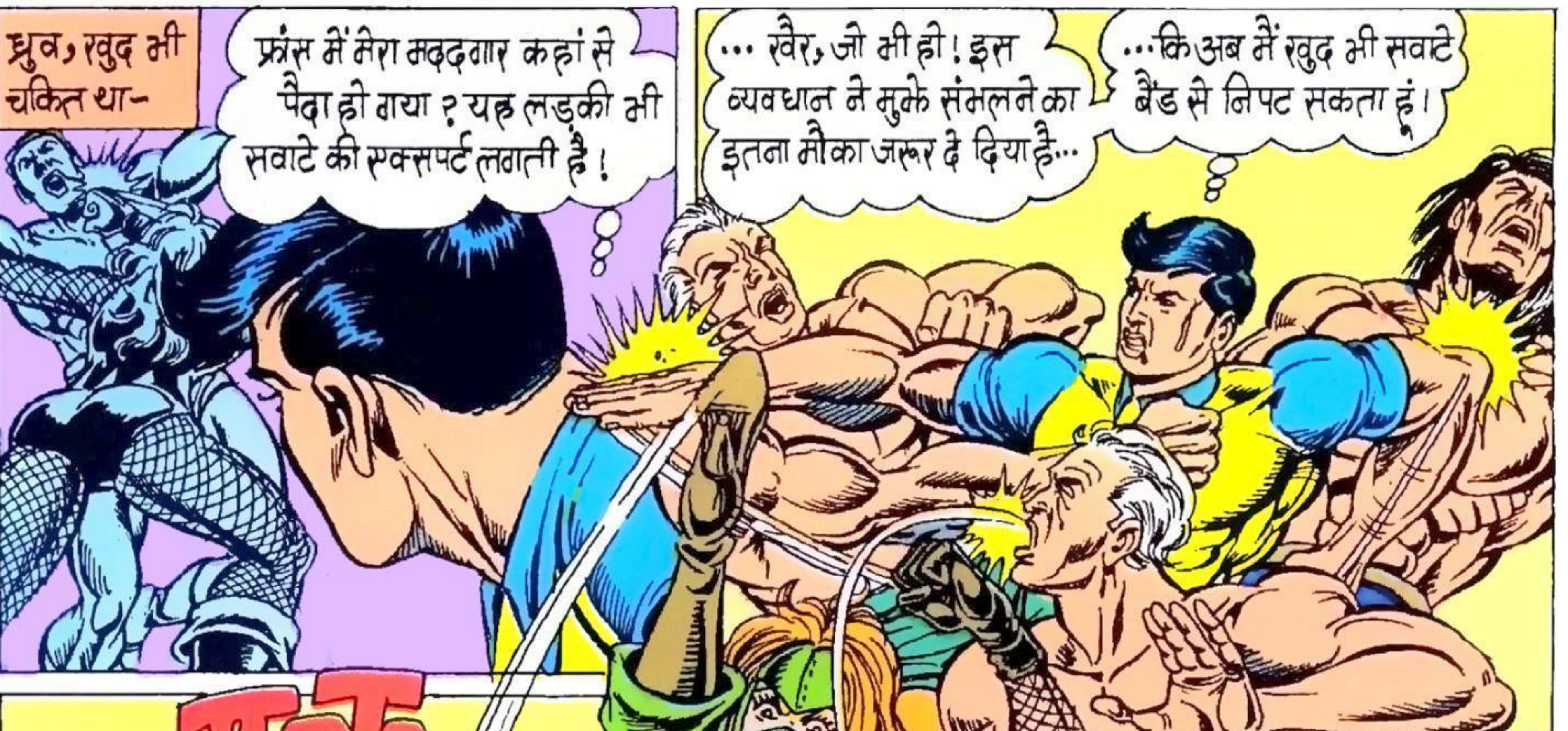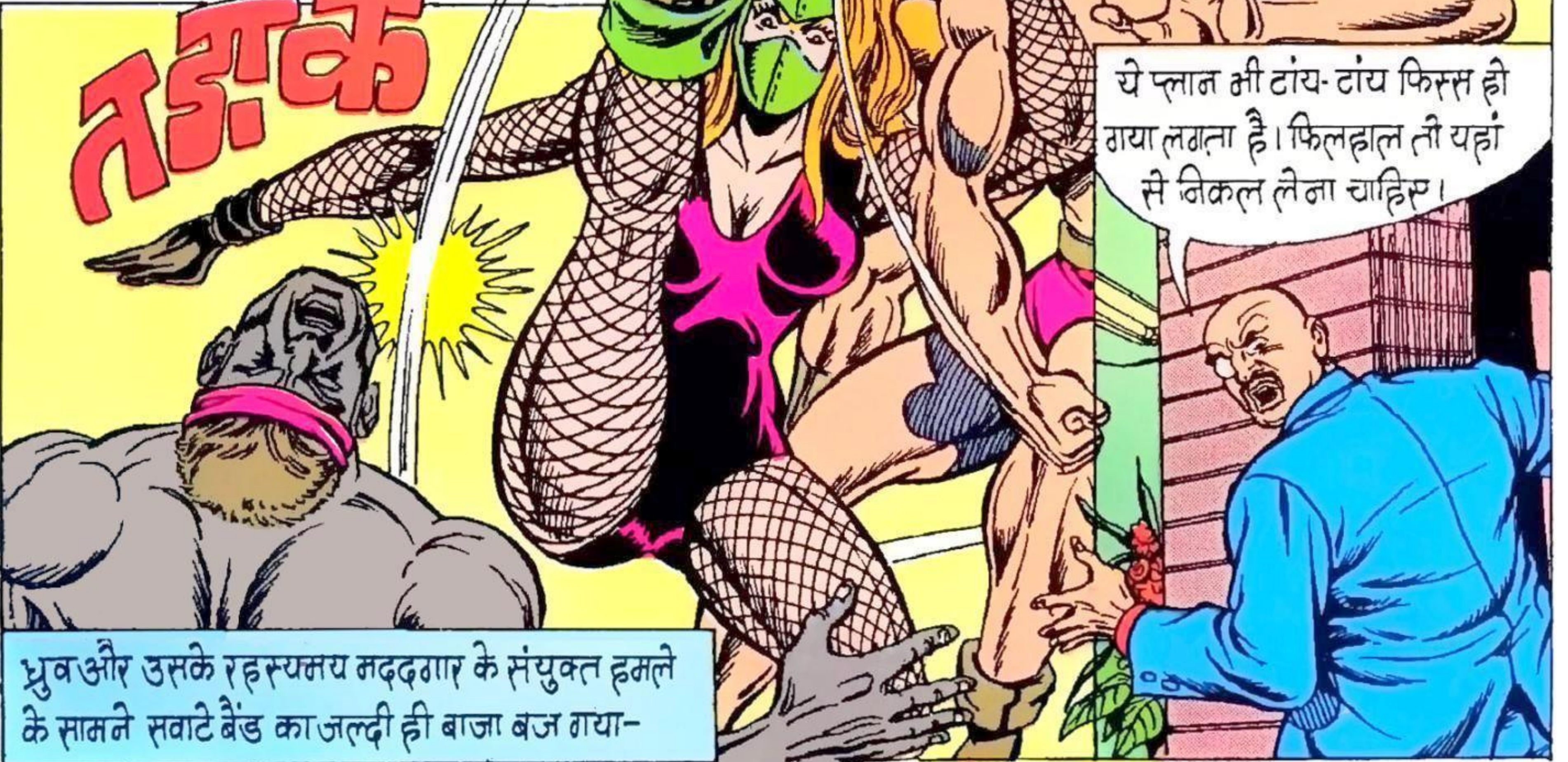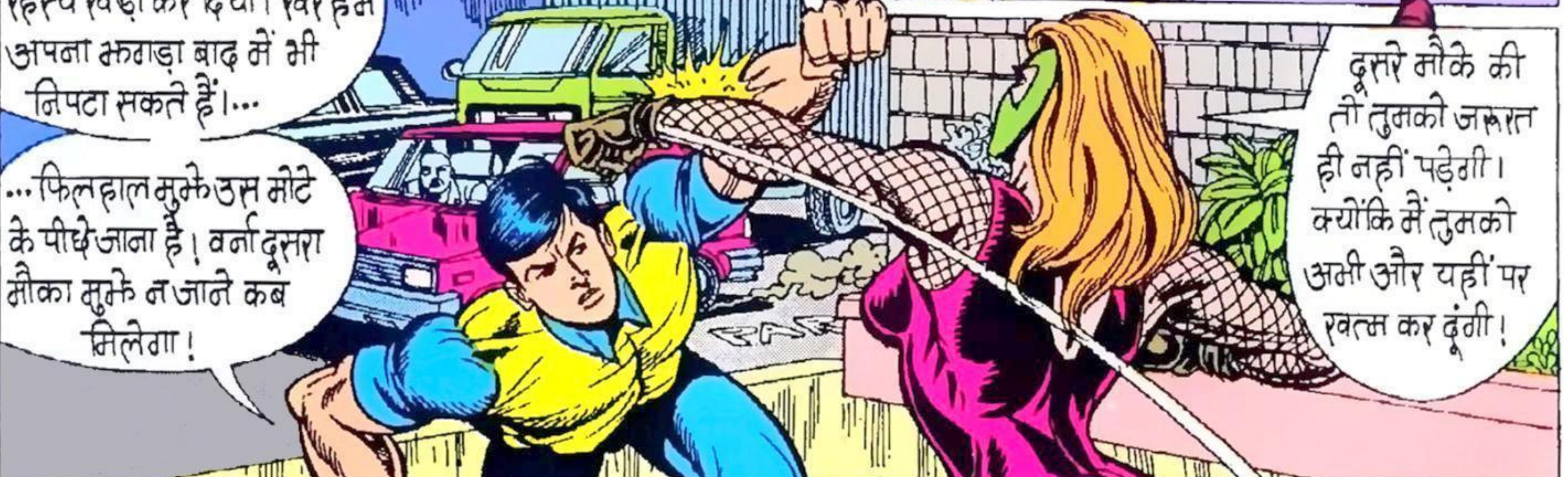
ओह! वह तो निकल गया। और यह खबर न तो मेरे लिए अच्छी है, और न ही तुम्हारे लिए!
क्योंकि अब तुम मेरा एकमात्र सूत्र बन गई हो। वैसे भी मैं यह जानना चाहता हूं...
...कि तुम्हारा मुझ पर हमला करने का क्या कारण है?
तड़ांक
वैसे तो यह मैं तुझे तभी बताती, जब तेरी जिन्दगी के सिर्फ चंद पल बचे होते। लेकिन अभी बताने में भी कोई हर्ज नहीं है, क्योंकि तेरी जिन्दगी चंद पलों में न सही, चंद मिनटों में खत्म हो जाएगी...
...सुन! तेरे हत्यारे बाप रघुवंशी ने दोस्ती की आड़ में एक पुलिस इंस्पेक्टर को अपने घर ले जाकर उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे।...
...और वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि वह इंस्पेक्टर जान गया था कि रघुवंशी का असली धंधा सरकारी लैबोरेट्रियों से तकनीकों को उड़ाना...
...और फिर उनको दुनिया भर के आतंकवादी संगठनों के हाथों में बेचना था!

उस दिन रघुवंशी ने इंस्पेक्टर का खून तो जमीन पर बहा दिया, पर वह यह नहीं जानता था कि बहने से पहले वह खून मेरी रगों में दौड़ना शुरू हो गया था। वह इंस्पेक्टर मेरे पिता थे, और उस वक्त मैं अपनी मां की कोख में थी...
... बरसों तक मां ने यह राज मुझसे छिपाए रखा। पर मरने से पहले वह मुझे सब-कुछ बता गई... तुम्हारा मक्कार बाप रघुवंशी मेरे पिता का गहरा दोस्त था। उस दिन जब पिताजी को रिपोर्ट मिली कि रघुवंशी की एस्टेट में चुराई गई तकनीकों को बेचा गया है...
CARGO
... तो उन्होंने रघुवंशी को हमारे घर पर बुलाकर इस बारे में पूछताछ की। रघुवंशी ने इन सब बातों से अंजान होने का नाटक किया, और पिताजी को अपनी एस्टेट की तलाशी लेने को आमंत्रित किया।
दोस्त पर विश्वास करके पिताजी अकेले ही तलाशी लेने गए... और फिर वे कभी वापस नहीं आए।
टुकड़ों-टुकड़ों में उनकी लाश वापस आई!
तड़ाक
यह कहानी जानने के बाद मैंने पागलों की तरह रघुवंशी को ढूंढ़ा! पर वह लापता हो चुका था। उसके खून से अपने दिल की आग बुझाने की हसरत मेरे दिल में ही रह गई...
... और फिर तेरे आने से यह पता चला कि श्याम नाम का बहुरूपिया रघुवंशी मर चुका है... लेकिन वह बलि चढ़ाने के लिए तुझे छोड़ गया। और इसलिए मैं आज तुझे नर्क में भेजकर अपने पिता को श्रद्धांजलि दूंगी और अपने दिल की आग बुझाऊंगी!
ओह! अगर तुम इतना कुछ जानती हो तो रघुवंशी का पता भी जरूर जानती होगी।
और बगैर वह पता जाने मैं तुमको यहां से भागने नहीं दूंगा!

तू भूल रहा है ध्रुव कि मैं यहां पर भागने के लिए नहीं आई। भागने तो मैं तुझे नहीं दूंगी।
मैं ज्यादा देर तक इससे लड़ नहीं पाऊंगा। क्योंकि मैं थकान महसूस कर रहा हूं। इसको काबू में करने का कोई न कोई रास्ता जल्दी ही निकालना होगा।
लेकिन ध्रुव को रास्ता निकालने की जरूरत नहीं पड़ी-
ओह! यह क्या?
पीं पीं पि पीं पि पीं पीं
यह 'पेजर' का सिग्नल है। इसके दस्ताने में कोई 'पेजर' रखा हुआ है।
उस लड़की ने पेजर पर मैसेज पढ़ा-
ओह!
और उसकी नजरों में परेशानी तैरने लगी-
और अगले ही पल वह बाहर की तरफ भागी-
अचानक ऐसा क्या हो गया कि ये मेरी जान लेना भूलकर भाग रही है?
खैर, कुछ भी हो, ये अगर भाग गई तो फिर मुझे हाथ पर हाथ धरकर बैठना होगा!
लेकिन ध्रुव के उस तक पहुंच पाने से पहले ही वह एक मोटर साइकल सवार से मोटर साइकल छीन चुकी थी-
बचाओ!
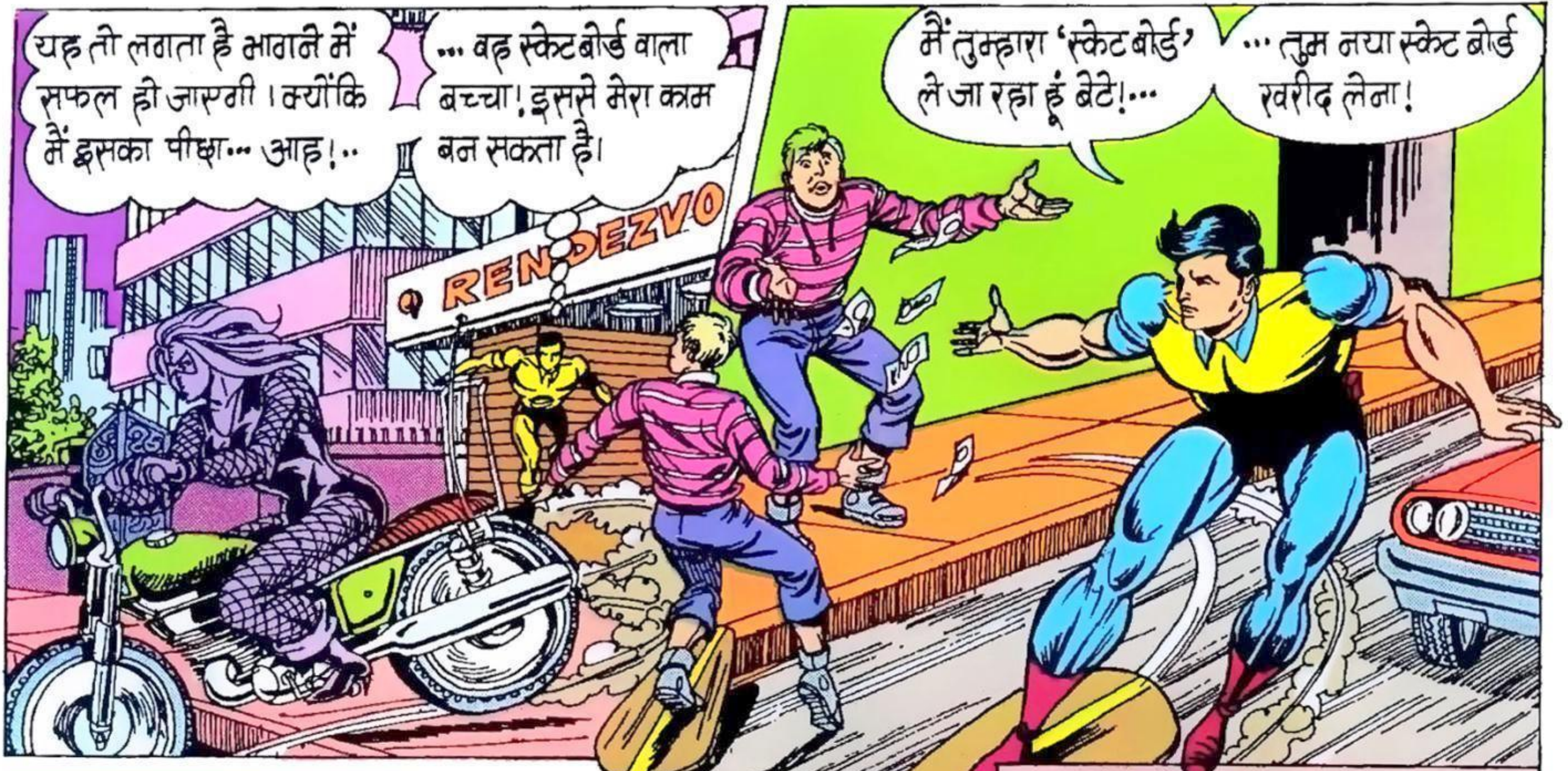
यह तो लगता है भागने में सफल हो जाएगी। क्योंकि मैं इसका पीछा... आह!..
...वह स्केटबोर्ड वाला बच्चा! इससे मेरा काम बन सकता है।
RENDEZVO
मैं तुम्हारा 'स्केटबोर्ड' ले जा रहा हूं बेटे!...
...तुम नया स्केट बोर्ड खरीद लेना!
तेज ट्रैफिक के बीच से लहराकर निकलते ध्रुव के दिमाग में विचारों की आंधियां चल रही थीं-
ध्रुव की टूटी-फूटी फ्रेंच भाषा तो उस बच्चे के पल्ले नहीं पड़ी, लेकिन नोटों की भाषा ने उसे सब समझा दिया-
इस लड़की को आखिर ऐसा कौन सा मैसेज मिल गया, जिसने इसे मुझे छोड़कर जाने पर बाध्य कर दिया?...
...और इससे भी बड़ा सवाल यह है कि इसे पता कैसे चला कि रघुवंशी का बेटा ध्रुव पेरिस में आया हुआ है?
मेरे और इसके बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।
SUBWAY
स्केटबोर्ड की स्पीड, मोटरसाइकल की स्पीड का मुकाबला नहीं कर पा...
...अरे! ये धमाके कैसे?
धाड़, धड़ाम
भाड़-तड़ाड़
ध्रुव का ध्यान, एक पल के लिए धमाकों पर गया-

और उस एक पल में वह लड़की न जाने कौन से मोड़ से मुड़ गई थी-
बड़ाम
तड़ तड़ाक
अरे! वह लड़की तो न जाने कहां गायब हो गई है। वैसे भी धमाकों की आवाज से भगदड़ मच गई है।...
... अब उस लड़की को ढूंढ़ पाना असंभव है।
शायद उस लड़की के इधर आने और इन धमाकों में कुछ संबंध है। इन धमाकों का कारण मुझे जानना ही होगा।
इन धमाकों का केन्द्र थी, फ्रेंच सरकार की 'रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिफेंस लैब' की इमारत-
DEFENCE &
SEA
बड़ाम
FIRE
POLICE
POLIC
पीछे रहो! पीछे रहो! कोई पुलिस बैरियर पार करने की कोशिश न करे!
वेरा! यह सब क्या हो रहा है? ये धमाके कैसे हैं?
ध्रुव! तुम यहां पर कैसे? खैर! जल्दी से जल्दी यहां से निकल जाओ! 'जिगसा' नाम के एक खतरनाक अपराधी ने इस लैब में से एक नई तकनीक चुराने की कोशिश की है।...
... वह इस वक्त अन्दर ही है। बाहर निकलने की कोशिश में वह भयंकर गोला-बारी करेगा। जान जाने का खतरा है। तुम जाओ यहां से!

मैं उनको पकड़ने में तुम्हारी पुलिस की मदद कर सकता हूं वेरा! मुझे अन्दर जाने दो!
वहीं रुक जाओ, ध्रुव! कमिश्नर साहब के सख्त आदेश हैं कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को बैरियर के पार न आने दिया जाए!
कहां हैं कमिश्नर साहब? मैं खुद उनसे बात करता हूं!
वे इस वक्त यहां पर नहीं हैं। और फ्रेंच पुलिस को तुम्हारी मदद की कोई जरूरत नहीं है!
मुझे अन्दर तो जाना ही होगा वेरा! मैं किसी की तलाश में यहां तक आया हूं।...
...और मुझे पूरा यकीन है कि वह इसी इमारत के आस-पास कहीं पर छुपी हुई है।
अगर तुम अन्दर जाने के लिए मजबूर हो तो मैं भी अपने फर्ज के कारण तुमको रोकने के लिए मजबूर हूं!...
...और इसके लिए मुझे सचमुच खेद है।
हवा में उड़ता हुआ ध्रुव का शरीर बैरियर के पार जाकर गिरा—
धाड़ड़ड़म
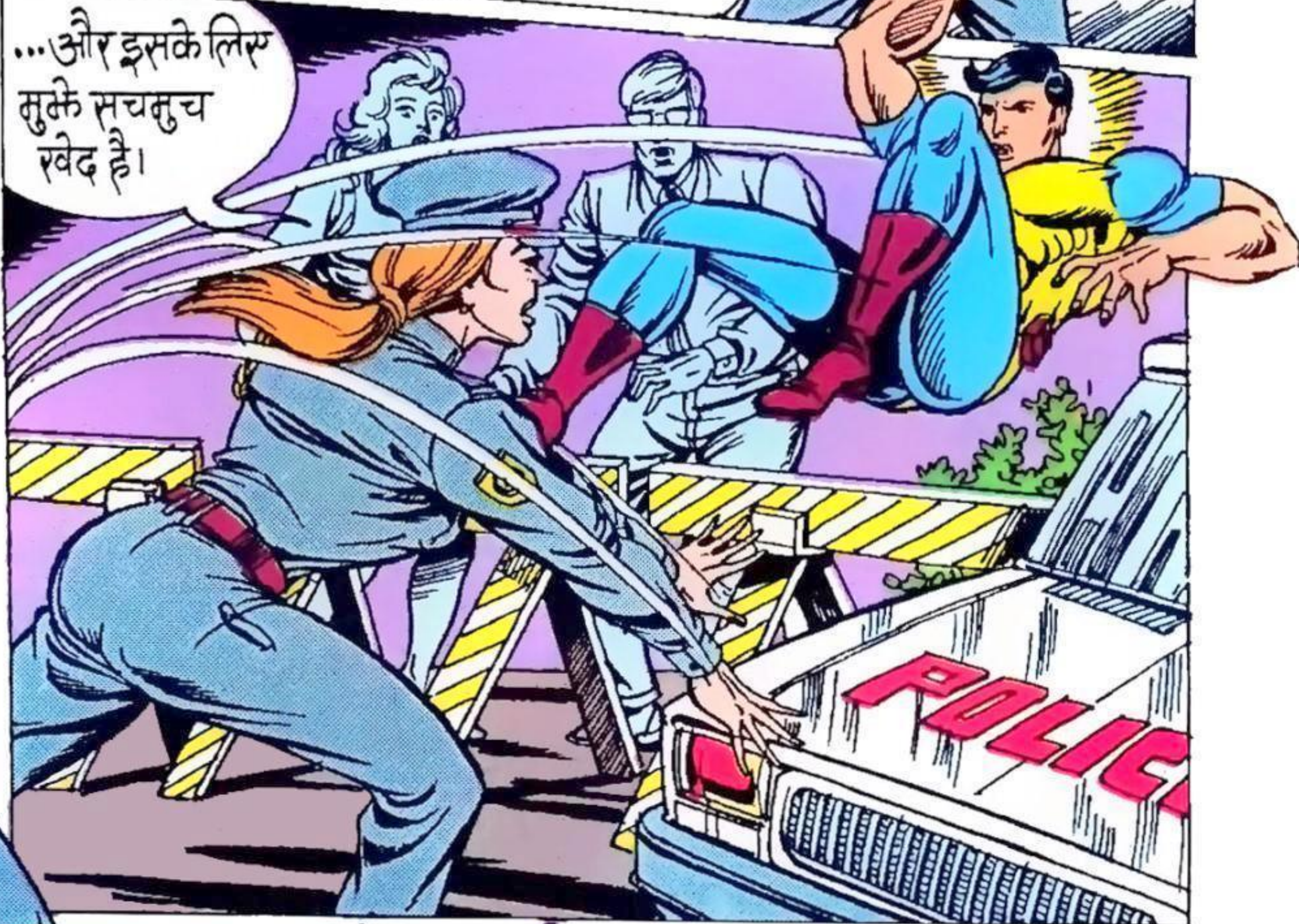
लेकिन इससे पहले कि ध्रुव जमीन से उठकर कुछ और कर पाता–

उसकी नजर बगल में खड़ी मोटरसाइकल पर पड़ी–

अरे! यह तो वही मोटरसाइकल है, जिस पर वह लड़की...

तभी उसकी नजर पड़ी इमारत की छत से बंधे उड़ रहे गुब्बारे पर। जो रस्सी टूट जाने के कारण हवा में उड़ता हुआ दूर जा रहा था–
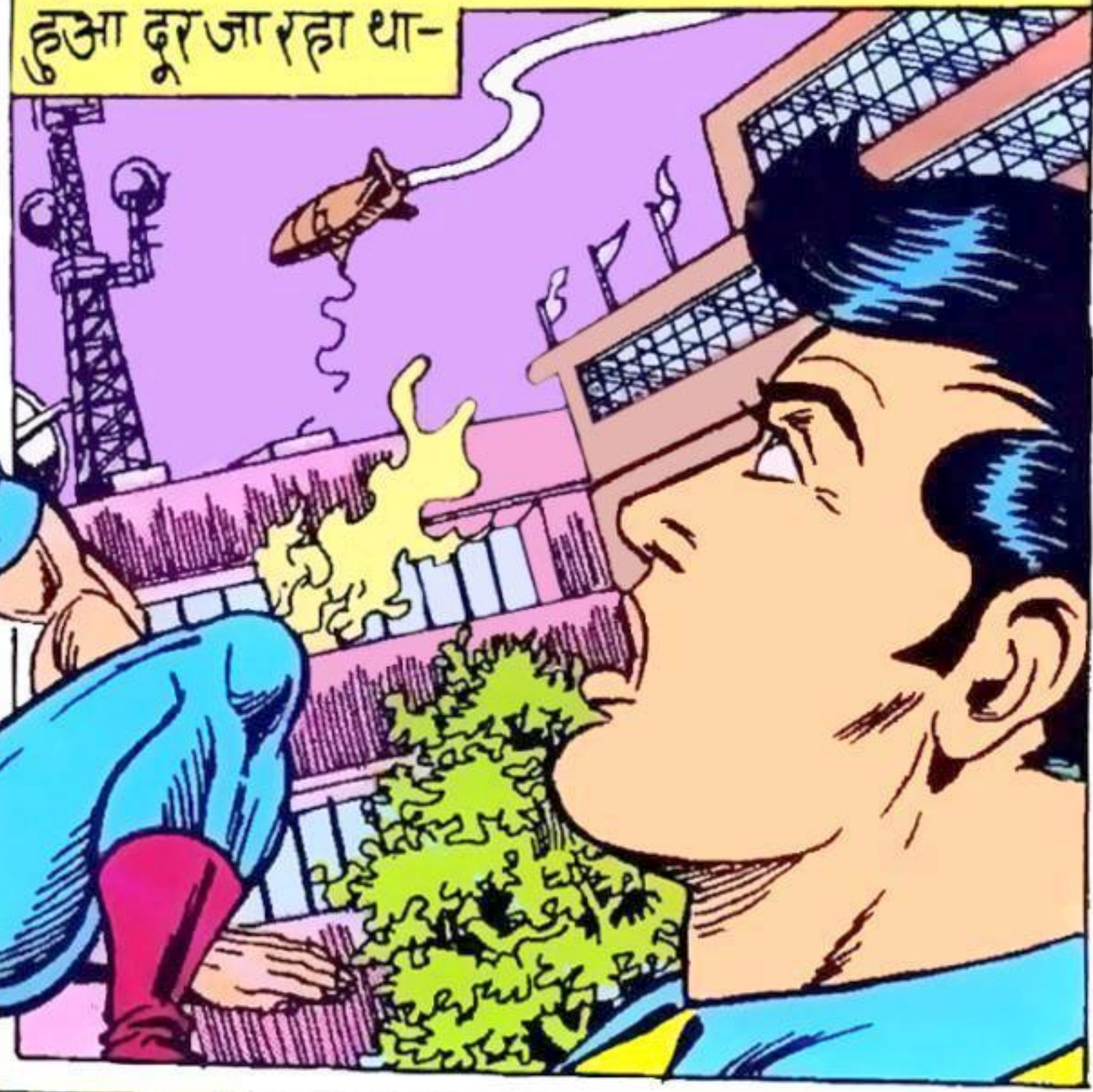
और इस दृश्य ने, ध्रुव के दिमाग से मोटरसाइकल की याद निकाल दी–

अरे! यह 'ब्लिंप' हवा में उड़कर पूर्व की तरफ जा रहा है, जबकि छत पर लगा वह झंडा बता रहा है कि हवा पश्चिम की तरफ चल रही है।...★

...यानी यह ब्लिंप अपने-आप नहीं उड़ रहा, बल्कि उड़ाया जा रहा है। मतलब साफ है। इस ब्लिंप के अन्दर कोई बैठा हुआ है। और वह वही आदमी हो सकता है, जिसने लेबोरेट्री पर हमला किया है। जिवसा!...

...फिलहाल मुझे उस रहस्यमय लड़की की परवाह नहीं है! उसको तो अब मैं ढूंढ ही लूंगा! इस वक्त मेरा पहला फर्ज मेरी आंखों के सामने हो रहे अपराध को रोकना है... और यह काम मुझे अकेले ही करना होगा!...

ANCO MOVERS

हैलो! हैंडसम!

★ ब्लिंप (BLIMP) = सिगार की आकृति का गुब्बारा

... क्योंकि जब तक मेरे पास मेरी बात का कोई ठोस सबूत नहीं होगा, तब तक फ्रांसीसी पुलिस मेरी बात पर भरोसा नहीं करेगी।
अरे! यह 'ब्लिंप' तो एफिल टॉवर की तरफ जा रहा है।...
...और इसकी गति भी धीमी हो रही है।...
...अब मैं समझ गया कि इन अपराधियों के भागने का रास्ता क्या है! ये ब्लिंप से 'एफिल टॉवर' पर उतरकर भाग निकलना चाहते हैं। रास्ता तो अच्छा चुना है। लेकिन मैं अभी इनकी अच्छी किस्मत को खराब किस्मत में बदल देता हूं।..
ध्रुव का ख्याल एकदम सही था-
'जिगसा' ब्लिंप से एफिल-टॉवर पर उतर रहा था-
वह रहा! लेकिन मैं इसके नीचे आने का इन्तजार नहीं करूंगा!
मैं इसे ऊपर जाकर 'ब्लिंप' सहित ही पकड़ूंगा। रंगे हाथों!

जिगसा न जाने इतनी देर तक ऊपर ही क्यों रुका हुआ था-
मेरा काम लगभग पूरा हो गया है। अब यहां से चुपचाप निकल लेना चाहिए!
चुपचाप का काम वही करते हैं जिनके दिल में चोर हो जिगसा! ...
... लेकिन तुम तो साक्षात चोरों के चोर हो!
ध्रुव! ओफ्, आखिर वही हुआ जिसका मुझे डर था।
तू मेरे काम में टांग अड़ाने यहां तक पहुंच गया!
तुम्हारी बातों से ऐसा लग रहा है कि तुम मेरे बारे में काफी कुछ जानते हो! पर कैसे?
सच जानना चाहते हो? दरअसल हमारा- तुम्हारा धंधे का भी संबंध है, और खानदान का भी!
इसलिए झगड़ा छोड़कर हाथ मिला लो तो हमारा भी फायदा है...
...और तुम्हारी भी चांदी ही चांदी है!
हाथ तो जरूर मिलाऊंगा, जिगसा! लेकिन जरा जोर से... आखिर हमारा- तुम्हारा खानदानी संबंध है, तुम्हारे हिसाब से!...
... इसलिए जरा नकाब हटाकर तुम्हारा चेहरा देख लिया जाए। और मुंह दिखाई भी दे दी जाए...
तड़ाककक

मुझे सचमुच बड़ा आश्चर्य है कि तू यहां तक मेरे पीछे-पीछे पहुंच गया। लेकिन शायद यमराज की इच्छा यही है।...
...कि तेरी जान मेरे हाथों से निकले!
आह! इसके वार में तो वैसी ही अमानवीय शक्ति है, जैसे लूका में थी।...
...यानी इसका और लूका का आपस में जरूर कुछ संबंध है। और इस तर्क के अनुसार तो इसका और मेरा संबंध भी कुछ न कुछ तो जरूर होगा!
तड़ाक
शायद इसके इस कथन में सच्चाई है कि मेरा और इसका खानदानी संबंध है।...
...और अगर ऐसा है तो यह अकेला ही मेरी सारी परेशानियों को दूर कर सकता है!
लेकिन इसको बगैर काबू में करे, कुछ भी पूछ पाना असंभव है। और इसको काबू में करना, बिल्ली के गले में घंटी बांधने के बराबर है।...
...सिर्फ एक ही चीज मेरी मदद कर सकती है। इसका लबादा! लेकिन उसके लिए मुझे अपनी सारी फुर्ती का इस्तेमाल करना होगा!
?
इससे पहले कि 'जिवसा' ध्रुव की योजना को समझ पाता...

वह अपने ही लबादे के घेरे में कसा जा चुका था-

और उसके निकलने की कोशिश कर पाने से पहले ही-

ध्रुव उस पर बुरी तरह से टूट पड़ा था-

अब तेरे कसबल ढीले हो चुके हैं जिग्सा! अब मैं तुझे ले जाकर सीधे कमिश्नर साहब के हवाले कर दूंगा। वही तुझसे उगलवाएंगे कि...

इसको ले जाने की कोई जरूरत नहीं है ध्रुव बेटे...

...मैं यहीं पर आ गया हूं।

कमिश्नर साहब! ओ थैंक गॉड! आप भी जरूर ब्लिंप का पीछा करते-करते यहां तक आए होंगे!

नहीं, बेटे! मेरा यहां पर इस वक्त आना तो बहुत पहले से ही तय हो चुका था...

...क्योंकि 'जिग्सा' के इस 'ब्लिंप' से उतरने के बाद...

...मुझे ही इसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना था...

क्या!

यानी... यानी तुम इस अपराधी से मिले हुए हो!

ठीक समझे! पर हिलना मत...

..क्योंकि मैं सात्रे जैसा मूर्ख नहीं हूं, जो तुमको 'क्रशर' के हाथों मरवाने की मामूली योजना तक को अंजाम न दे सका!
ओह! यानी तुम शुरू से ही मुझे मरवाने की योजनाओं को जानते थे?
जानते थे? अरे, उनमें से कई योजनाएं तो मैंने खुद बनाई हुई थीं!
जिग्सा, फिलहाल तुम ब्लिंप पर ही चढ़कर यहां से निकल लो!...
...अभी मिस्टर ध्रुव को खत्म करने से पहले मुझे इनको कुछ बातें बतानी हैं! ताकि मरने के बाद इनकी आत्मा भटकती न रहे।
जिग्सा, तेजी से 'ब्लिंप' पर रस्सी के सहारे चढ़ने लगा-
और कुछ ही पलों बाद, ब्लिंप में सवार जिग्सा, एफिल टॉवर से दूर जा रहा था-
हां, तो ध्रुव बेटे, मैं बता रहा था कि तुमको मारने की कुछ योजनाएं मैंने ही सात्रे को सुझाई थीं...
दरअसल सिर्फ तुमको मारने की नहीं, बल्कि तुम्हारे बाप को मारने की योजना भी मैंने ही बनाई थी...
ओह! यानी हमारा तुम्हारा नाता काफी पहले से ही शुरू हो चुका था।
हां! और मेरा वश चलता तो इस नाते को मैं पच्चीस साल पहले ही खत्म कर देता...
...उस वक्त मैं एक इंस्पेक्टर था। और पुलिस की नौकरी मैंने इसीलिए ज्वाइन की थी, ताकि जिग्सा की उसके धंधे में मदद कर सकूं।...
...लेकिन हमारे डिपार्टमेंट के कुछ पुलिस वालों को ईमानदारी की खुजली हो गई थी। इंस्पेक्टर ल्यूबेक भी उन्हीं में से एक था।

... वह तुम्हारे बाप रघुवंशी का गहरा दोस्त भी था। उसको न जाने कहां से 'जिग्सा' के ठिकाने के बारे में जानकारी हाथ लग गई। उसने मुझसे जिग्सा के अड्डे पर रेड करने के लिए एक पुलिस पार्टी तैयार करने को कहा...
...और तब मैंने एक और कुटिल योजना तैयार कर ली! मैंने उससे रेड करने से पहले रघुवंशी की मदद लेने को कहा!
रघुवंशी की मदद क्यों?
वह कैसे मदद कर सकते थे?
हा हा हा! यह बता दूंगा तो 'जिग्सा' के कई राज खुल जाएंगे। क्योंकि मैंने सुना है कि एफिल टॉवर के भी कान होते हैं।...
...खैर! श्याम यानी रघुवंशी, ल्यूबेक को अपने साथ ले गया... वहां पर जहां पर हम सब पहले से ही उन दोनों का इन्तजार कर रहे थे!...
... ल्यूबेक को तो हमने वहीं पर काट डाला। लेकिन रघुवंशी हमारे हाथों से बचकर भाग निकला...
...हमने रघुवंशी को ल्यूबेक का कातिल घोषित कर दिया! और चारों तरफ पुलिस फोर्स उसको ढूंढ़ने के लिए फैला दी!
लूका से मुझे पता चला था कि जैकब ने तुमको बताया था कि उसने एक पुलिस वाले को दो गुंडे टाइप लोगों से बातें करते सुना था। वे दोनों सात्रे के आदमी थे। और वह पुलिस वाला मैं था।
पच्चीस साल पहले मैं इंस्पेक्टर था। और अब तरक्की करते-करते कमिश्नर बन गया हूं।
जब मुझे पता चला कि तुम फ्रांस आ रहे हो तो रघुवंशी से संबंधित सारी जानकारी को मैंने मिटा दिया। और अब मैं तुमको भी मिटा दूंगा!
नहीं कमिश्नर!...

... तेरे जिन्दगी लेने के दिन खत्म हुए। अब तू किसी मच्छर तक को मारने के काबिल नहीं रहेगा...
... क्योंकि मैं तुझे अब तभी छोड़ूंगी जब तू एक जिन्दा लाश में तब्दील हो जाएगा!
तड़,
ओह! यानी ध्रुव पहले से ही मदद लेकर आया था! और उसके साथ तूने भी मेरी सारी बातें सुन ली हैं। पर कोई बात नहीं। तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। क्योंकि तुम लोगों के पास मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं है। और तुम लोगों की बात का कोई यकीन नहीं करेगा!
सबूत की जरूरत अब किसे है, हत्यारे! ये देख! इस पुलिस ट्रांसमीटर को तो तू पहचानता ही होगा! जब तू ध्रुव को अपना कारनामा सुना रहा था, तभी मैंने इसको ऑन कर दिया था। और इसके जरिए तेरा पूरा बयान हर पुलिस कार और हर पुलिस चौकी पर सुना जा चुका होगा।...
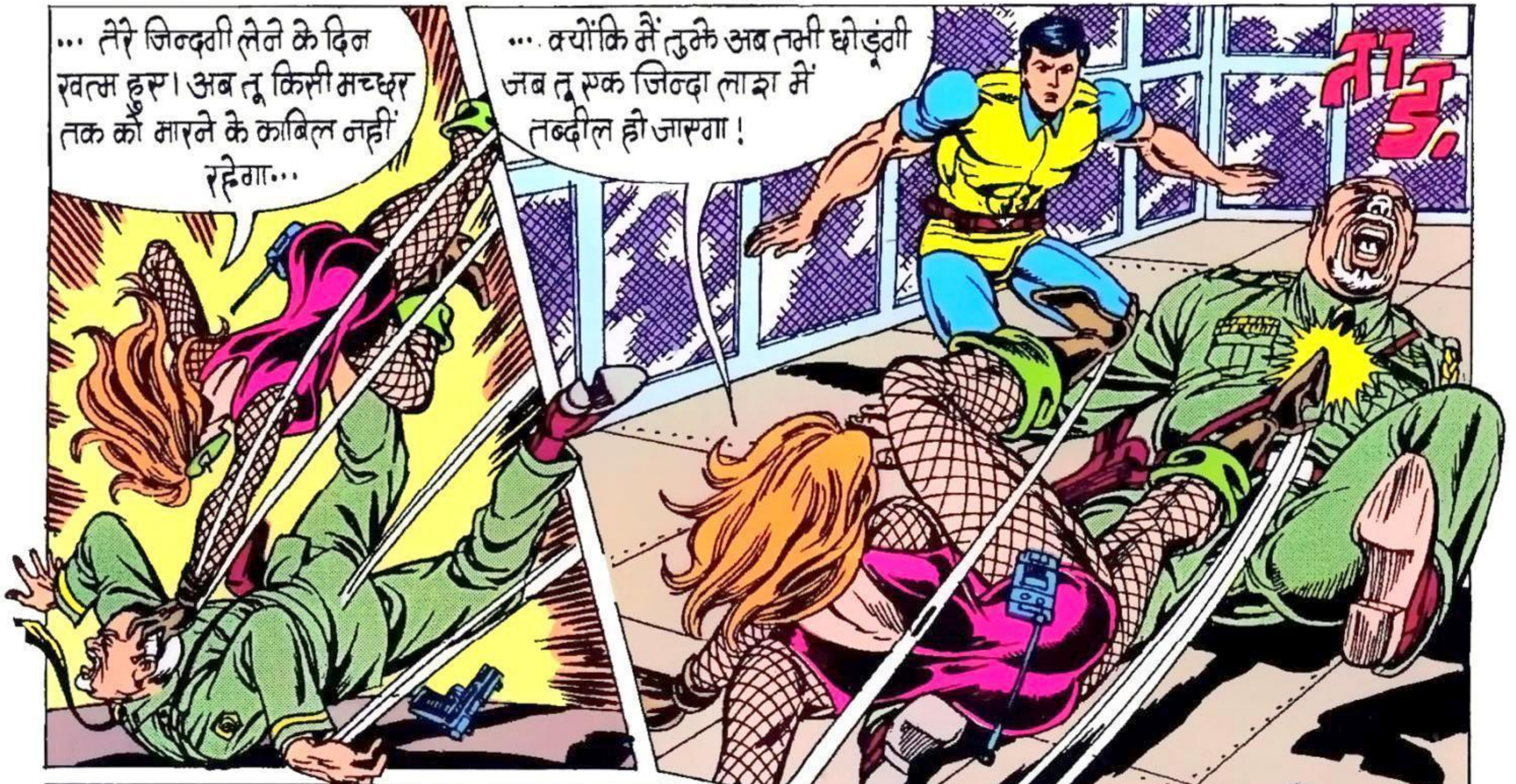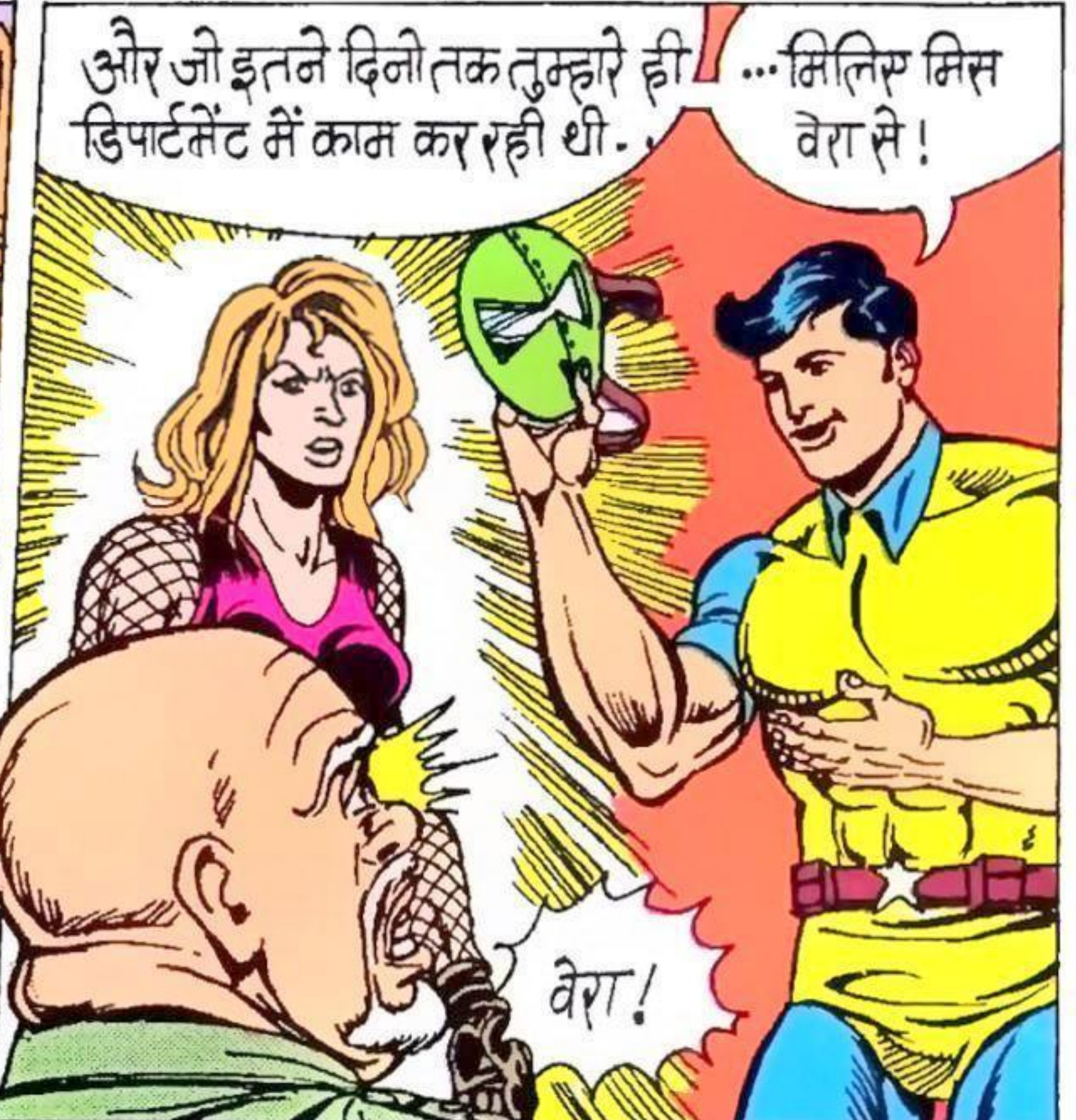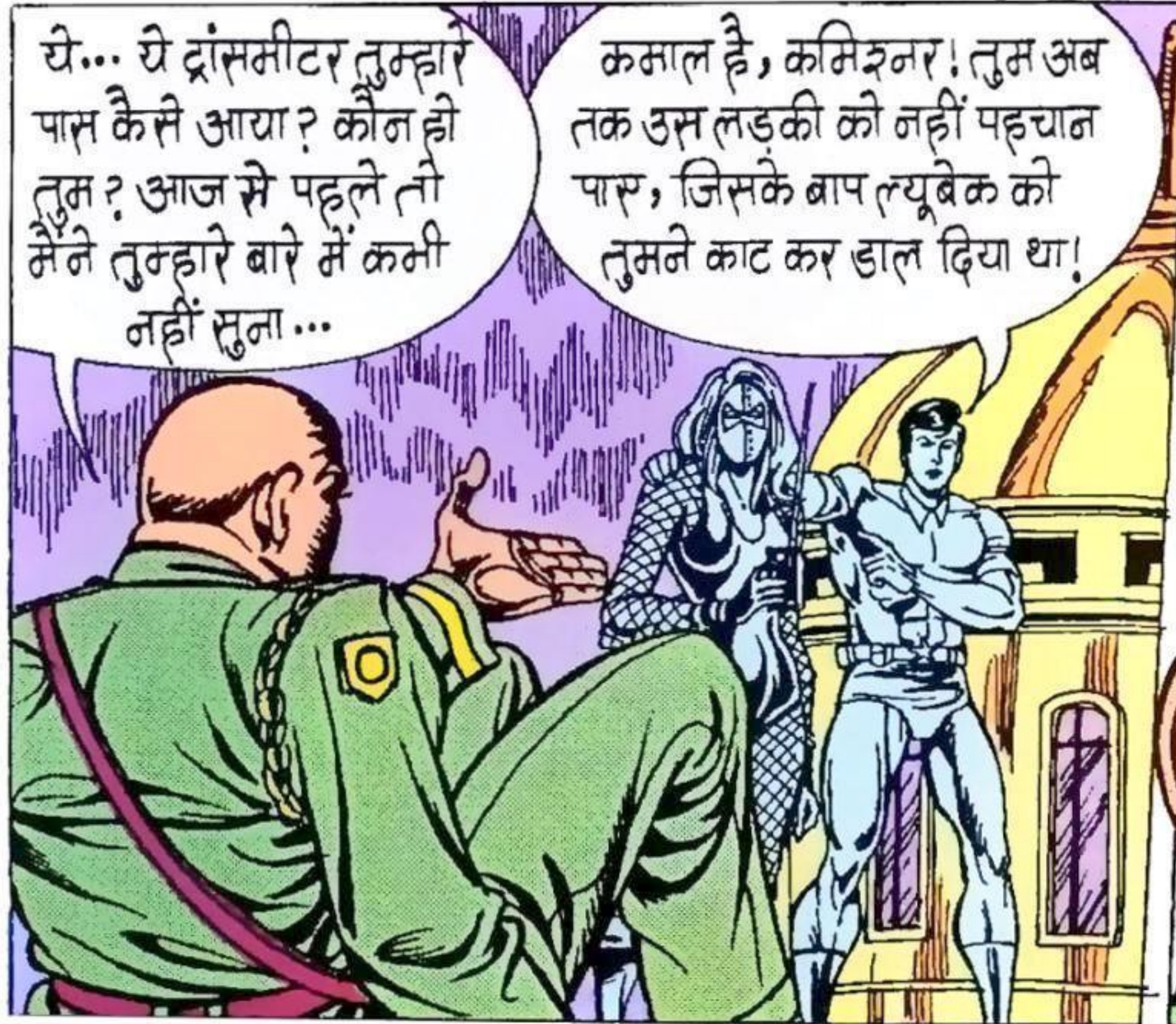
ये... ये ट्रांसमीटर तुम्हारे पास कैसे आया? कौन हो तुम? आज से पहले तो मैंने तुम्हारे बारे में कभी नहीं सुना...
कमाल है, कमिश्नर! तुम अब तक उस लड़की को नहीं पहचान पाए, जिसके बाप ल्यूबेक को तुमने काट कर डाल दिया था!
और जो इतने दिनों तक तुम्हारे ही डिपार्टमेंट में काम कर रही थी...
...मिलिए मिस वेरा से!
वेरा!
हां, वेरा! तुम्हारी साजिश की वजह से मैं ध्रुव को अपना अपराधी मानकर उसका पीछा कर रही थी। लेकिन ध्रुव का पीछा करने की वजह से ही मुझे असली कातिल यानी तुम्हारा पता चल गया।...और अब बचने की सारी उम्मीदें छोड़ दो...
...क्योंकि मेरे मैसेज के कारण चारों तरफ से पुलिस पेट्रोल कारों ने आकर एफिल टॉवर को घेर लिया है।
अगर मेरा मरना निश्चित है तो तुम दोनों भी मेरे साथ ही मरोगे।
तू भूल गया कमिश्नर! मैंने अभी तुझे बताया था कि तेरे जान लेने के दिन खत्म हो गए हैं!
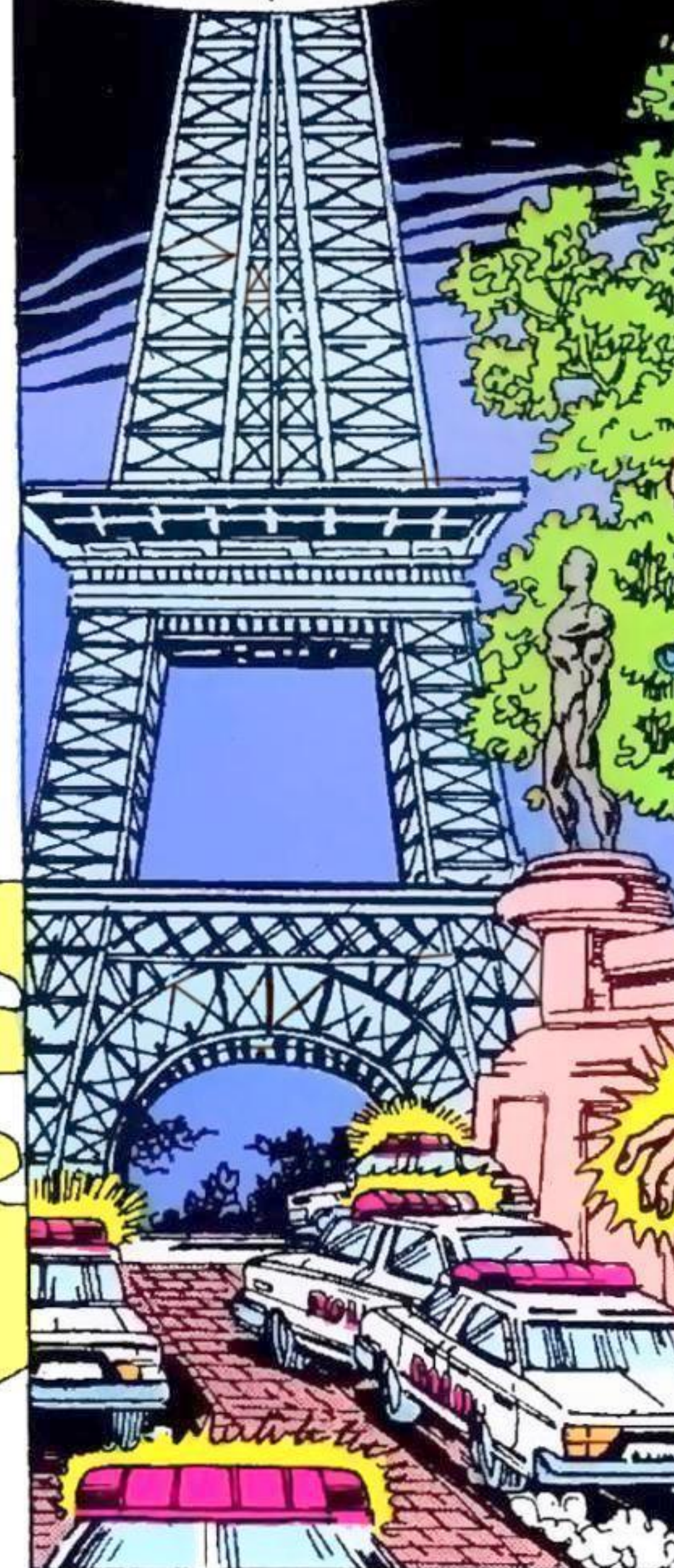
अब तेरे अपने पापों को गिनने और अपने साथियों का नाम बताने के दिन आ गए हैं कमिश्नर!
ध्रुव का वार कमिश्नर को काफी जोर से लगा था-
तड़.
इसीलिए न तो वेरा को दूसरा वार करने की जरूरत पड़ी और न ही ध्रुव को-
ये तो बड़ा कमजोर निकला! एक ही वार में बेहोश हो गया।
खैर, इसको तो पांच मिनटों के अन्दर पुलिस वाले आकर ले ही जाएंगे। पर तुमने मुझे कैसे पहचान लिया ध्रुव?
जब मैं तुम्हारा पीछा करते-करते लैब तक पहुंचा तब तक मैंने तुमको नहीं पहचाना था। लेकिन जब तुमने वेरा के रूप में मुझे उठाकर बैरियर के पार फेंक दिया तो मैं तुम्हारी फाइटिंग स्टाइल को पहचान गया।
और जब गिरने के बाद मैंने बगल में खड़ी मोटर साइकल देखी तो मेरा रहा-सहा शक भी दूर हो गया।
मैं समझ गया कि तुम ही फुर्ती में अपना वेष बदलकर घटना-स्थल पर आ गई हो!
मैं बेकार ही अपने-आपको ज्यादा चालाक समझ रही थी।
जबकि तुम... अरे!
बचो वेरा!
... मगर खुद नहीं बच पाया-
ध्रुव ने वेरा को तो उस किक से बचा लिया...

नीचे गिरते हुए भी ध्रुव ने अपने होशोहवास कायम रखे-
अब भी बचने का एक रास्ता खुला हुआ है। जिस स्टार लाइन से मैं ऊपर चढ़ा था, वह अभी भी टॉवर से लटक रही है। अगर मैं अपने गिरने की दिशा जरा सी बदल सकूं तो स्टार लाइन मेरे हाथ में आ सकती है।
लेकिन अपनी पूरी कोशिशों के बाद भी ध्रुव, स्टार लाइन तक नहीं पहुंच पाया-
ये कोशिश करनी बेकार है! ये टॉवर नीचे से चौड़ी होती जाती है। किसी तरह इसके किसी कोने को ही पकड़ना होगा...
... वर्ना मेरा बच पाना असंभव... अरे! यह क्या? यह तो काकातुआ है!
कुछ ही पलों बाद, स्टार लाइन ध्रुव के हाथ में थी-
शाबाश, काका-तुआ! तू मेरे पीछे-पीछे फ्रांस तक शायद मेरी जान बचाने के लिए ही आया है!
ध्रुव की जान तो बच गई थी-
लेकिन वेरा की जान, खतरे में पड़ गई थी-
तड़.
तू क्या समझती है, लड़की?...

... मैं तुम दोनों को सच्चाई बताने के बाद जिन्दा छोड़ दूंगा? नहीं! कभी नहीं!

वेरा का पूरा शरीर झनझना उठा-

तड़ाक

और फ्रांस्वा ने अपने ध्यान को ध्रुव की तरफ मोड़ दिया-

ओह! तू बच गया है। लेकिन ज्यादा देर तक के लिए नहीं!
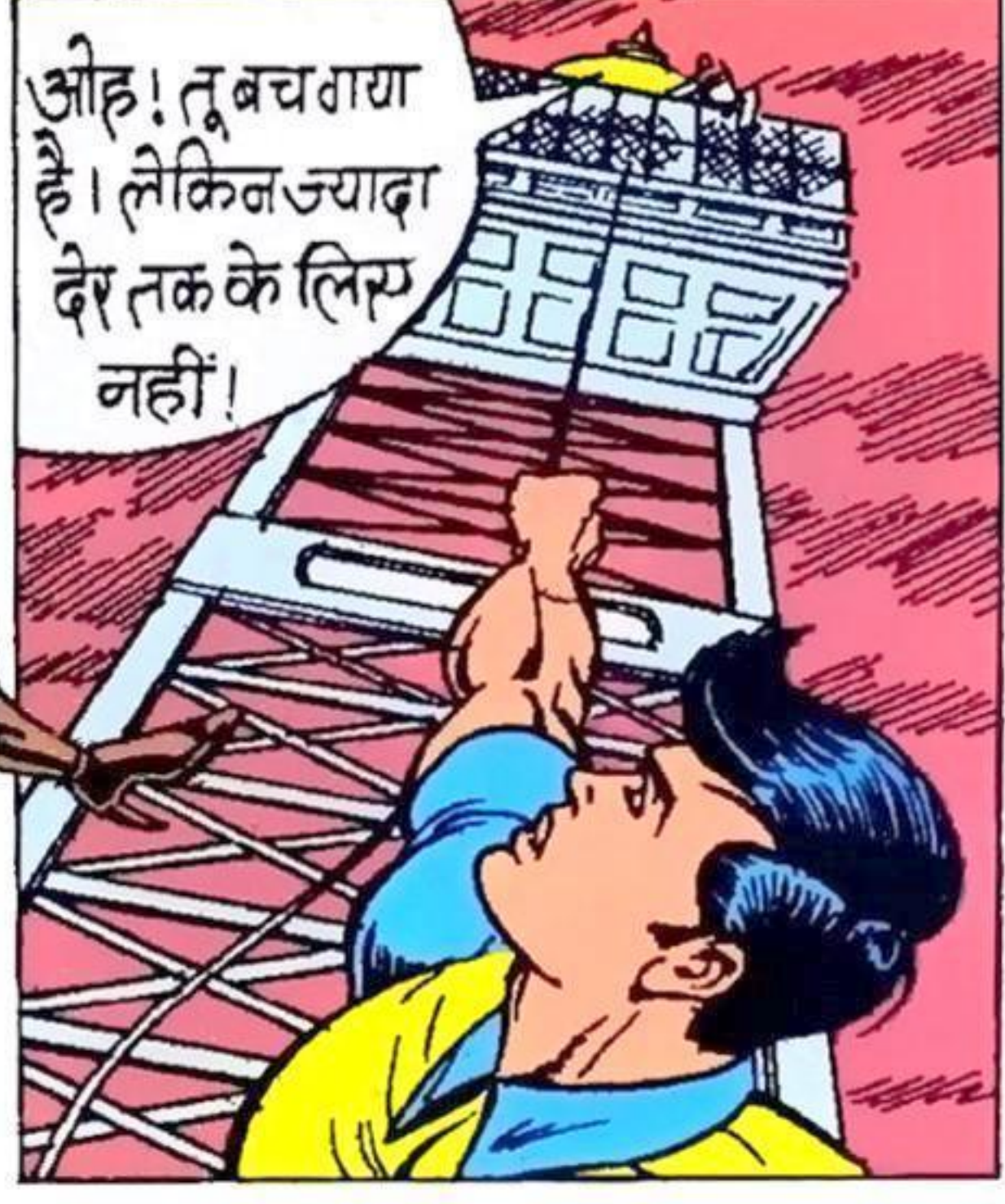
चाकू की धार पर 'स्टार-लाइन' आ टिकी। और धीरे-धीरे नाइलो-स्टील से बुने ताने-बाने कटने लगे-

खचखचखच

ध्रुव समय रहते फ्रांस्वा तक नहीं पहुंच सकता था-

और ध्रुव की तरह, उसको बीच में रोक लेने के लिए कोई चीज नहीं थी-
और ऊपर-
ओह! तुम बच गए ध्रुव? शुक्र है भगवान का!
भगवान के साथ-साथ काकातुआ का भी शुक्रिया अदा करो वेरा! लेकिन तुम तो ठीक हो न?
आज से ज्यादा ठीक मैं कभी नहीं थी। आज मेरा बदला पूरा हो गया। ठंडक पड़ गई मेरे दिल को!
ओह! एक बात तो मैं तुमसे पूछना भूल गया वेरा! उस पेजर पर ऐसा क्या मैसेज आया था, जो तुम तुरंत रॅदेवू डेन से भाग खड़ी हुई थीं?
हमारी पुलिस फोर्स में हर पुलिस वाले के पास पेजर रहता है। ताकि अगर कार-फोन से किसी कारण संपर्क न हो सके तो पेजर के जरिए सूचना दी जा सके। मेरे पेजर पर, लैब पर जिगसा के अटैक का ही मैसेज आया था!
और हर पुलिस वाले को वहां पर पहुंचने की सख्त ताकीद की गई थी। इसीलिए मुझे तुरन्त भागना पड़ा!
ओह! समझा! लेकिन कमिश्नर की मौत के साथ-साथ मेरे सामने के कई रास्ते बन्द हो गए हैं। अब मैं उन लोगों तक कैसे पहुंचूंगा, जिन्होंने मेरे पिता को फंसाने का षड्यंत्र रचा!
मैं अब भी तुम्हारी एस्टेट को ढूंढ सकती हूं ध्रुव! शायद इसी तरह से मैं तुम्हारा एहसान चुका सकूं!
तुम ठीक कहती हो। और अब तो काकातुआ भी हमारे साथ है। अब मुझे मेरी मंजिल मिलकर ही रहेगी!
समाप्त...
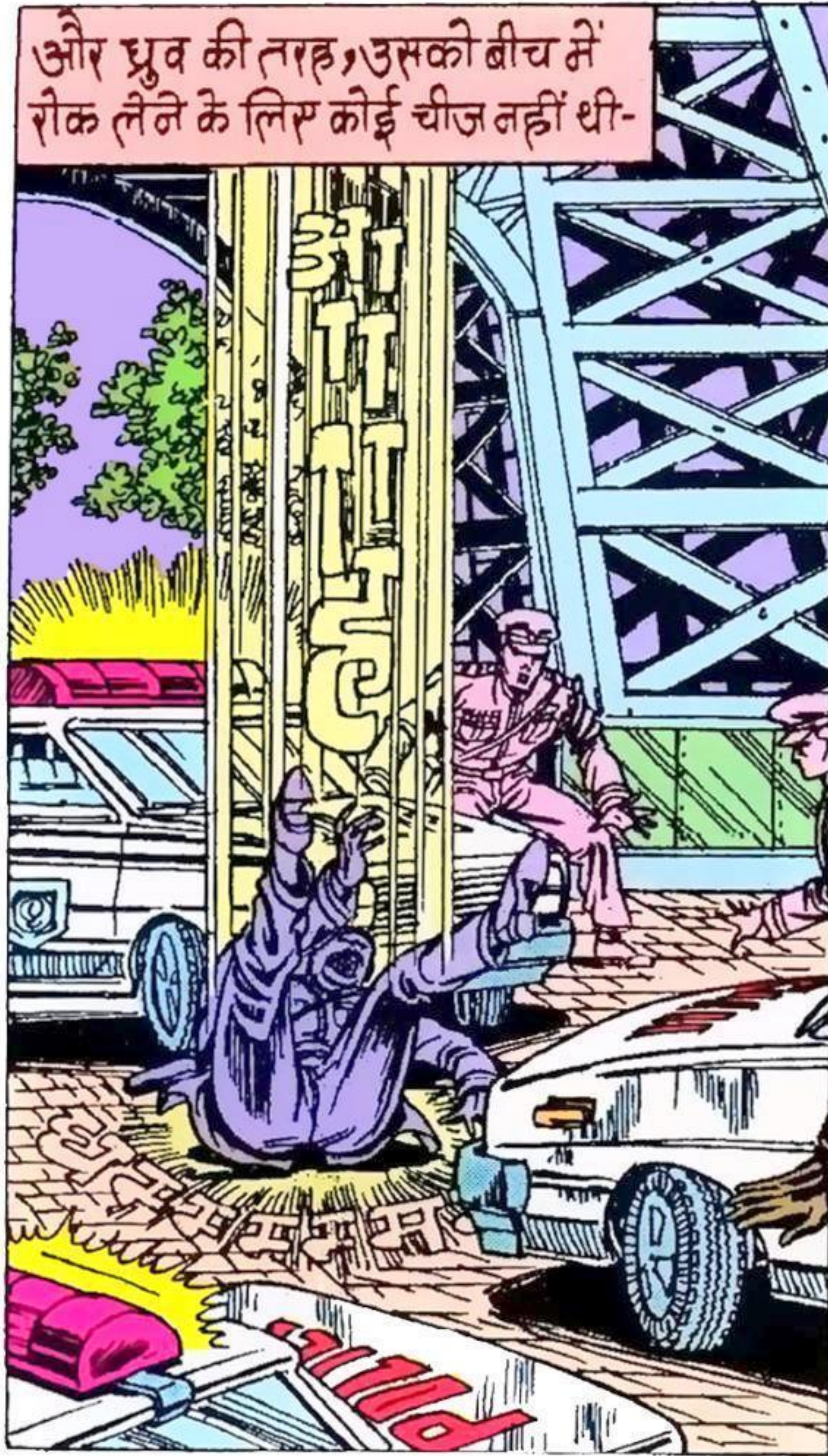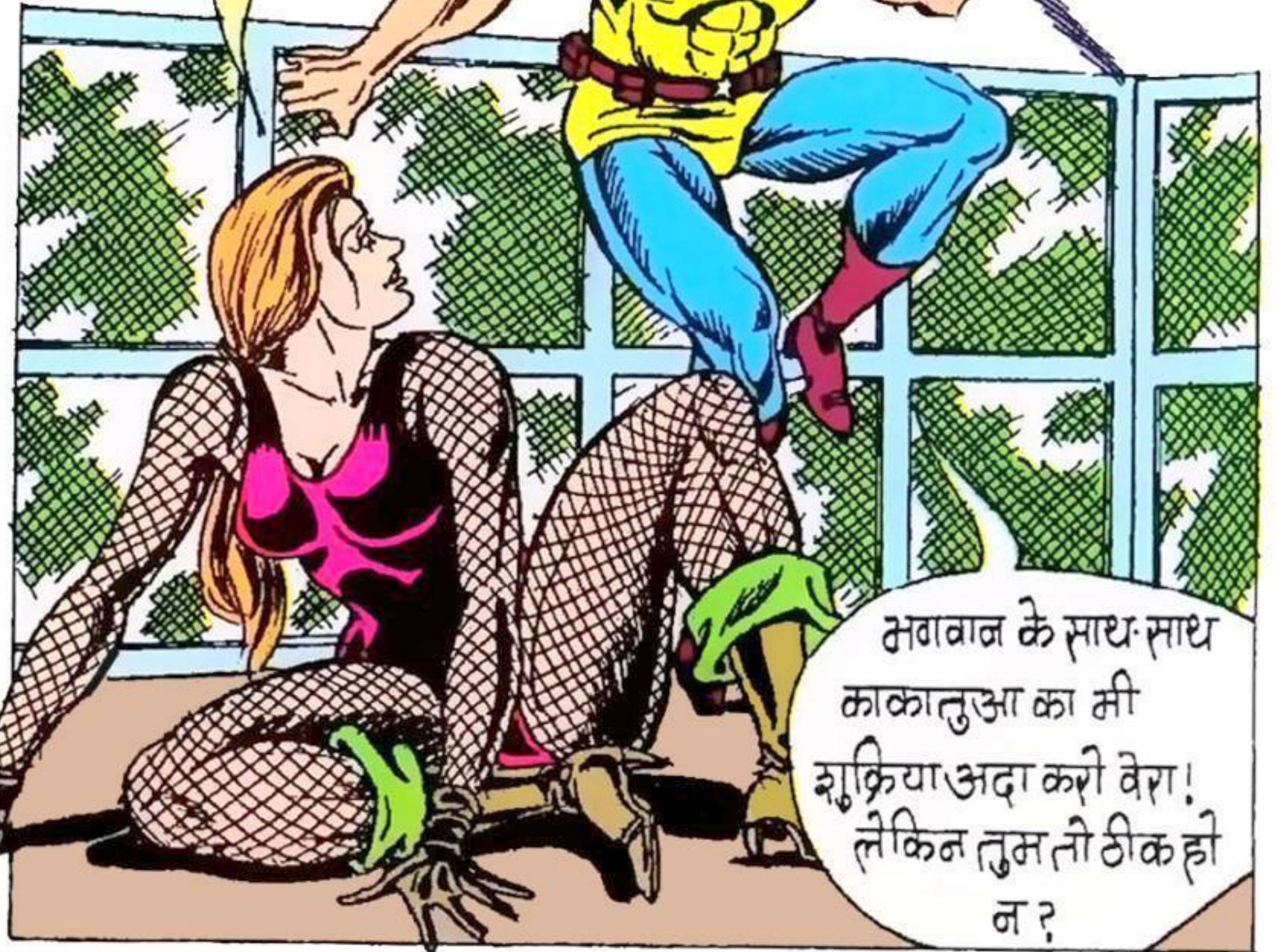
ध्रुव की जिंदगी में आया एक तूफान! उसे पता चला अपने खूनी खानदान का! और वह फ्रांस पहुंच गया, ढूंढ़ने के लिए अपना अतीत…
…लेकिन अपने सवालों का जवाब ध्रुव तभी ढूंढ़ पाएगा, जब वह सुलझा लेगा अपने जीवन की सबसे बड़ी पहेली…
…पहेली… जिसका नाम है…
जिगसा
सारे रहस्यों की पर्तें दर पर्तें उधेड़ता हुआ आ रहा है, 'खूनी खानदान' और 'अतीत' का समापन अंक!
राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव का रोमांचक कॉमिक विशेषांक